

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 21 सितंबर 2026

FOR THE FIRST TIME IN THE HISTORY OF CHHATTISGARH

SAHELI
AURUM

PURE & PROMISING FOREVER

presents

BIGGEST
JEWELLERY
SHOW
2026

21st TO 25th
SEPTEMBER

11 AM TO
9 PM

Launch Date - 21st September

Time - 11:00 AM

Venue - Shree Shivam Mall, Durg

आमंत्रित अतिथिगणों की गरिमामयी उपस्थिति में



श्री विजय बघेल एवं श्रीमति रजनी बघेल
माननीय सांसद, दुर्ग लोकसभा



श्री आई. पी. मिश्रा
कुलाधिपति श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई
चेयरमैन, शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज एवं ग्रुप ऑफ कॉलेजेंस

Launching 11 New Collection in the Presence of Our Esteemed Guests

ROYALIS
Timeless Heritage Art

EKĀM
THE LIMITED MASTERPIECES

ETERN
MAGIC OF
HANDCRAFT DIAMONDS

Glint
THE DIAMONDS
GLAM

Rajsa
The Royal Touch

Nia
ITS LITE IT'S
A DELIGHT

SHUBH RATNA
THE RIGHT GEMSTONE

Riva
Polki Classics

Bomat
THE ANTIQUE
ARTISTRY

Rosette
ROSE GOLD AFFAIR

inara
OPEN POLKI ELEGANCE

SADAR BAZAAR, RAIPUR
+91 9584411144

SHREE SHIVAM MALL, DURG
+91 9244509870

BAZAAR CHOWK, UTAI
+91 7647072145

200 बिस्तरों का सुपरस्पेशलिटी कैंसर हॉस्पिटल एवं वृहद सुपरस्पेशलिटी डॉक्टरों की टीम



डॉ. नीता नायक
मैनेजिंग डायरेक्टर

डॉ. देवेन्द्र नायक
चेयरमैन

श्री बालाजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स एवं कॉलेजेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के मोवा स्थित श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल के रूप में राज्य के चिकित्सा जगत को एक ऐतिहासिक और वरदान स्वरूप सौगात मिली है। अब छत्तीसगढ़ सहित आसपास के राज्यों के कैंसर पीड़ितों को महंगे इलाज के लिए महानगरों के चक्कर काटने से मुक्ति मिल जाएगी। आधुनिक तकनीक, अत्याधुनिक मशीनों और विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस इस 200 बेड के सुपर स्पेशियलिटी कैंसर हॉस्पिटल का उद्देश्य हर वर्ग के मरीज को सुलभ और उच्च गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराना है। सबसे राहत भरी बात यह है कि यहां कैंसर का संपूर्ण इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत किया जाएगा, जिससे गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं है।

अब बिना पैसों की चिंता के होगा कैंसर का संपूर्ण इलाज

अब रायपुर के श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल मोवा की सबसे बड़ी ख़ुबी यह है कि यहां कैंसर का पूरा और संपूर्ण इलाज आयुष्मान योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराया जा रहा है। इसका मतलब यह है कि अब आर्थिक तंगी के कारण किसी भी मरीज को इलाज से वंचित नहीं होना पड़ेगा। कीमोथेरेपी, रेडियो थेरेपी, अंको सर्जरी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी महंगी चिकित्सा प्रक्रियाएं भी आयुष्मान कार्ड के जरिए होंगी। यह कदम उन हजारों परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है जो पाई-पाई जोड़ने के बाद भी अपने मरीज को बचाने में असमर्थ महसूस करते थे। छत्तीसगढ़ सरकार और श्री बालाजी अस्पताल का यह सहयोगात्मक प्रयास राज्य के स्वास्थ्य ढांचे में एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आया है, जहां अब पैसा इलाज में रोड़ा नहीं बनेगा।

कैंसर हॉस्पिटल में उपलब्ध सुविधाएं एवं सेवाएं

मेडिकल ऑन्कोलॉजी: कॉम्प्रिहेंसिव कीमोथेरेपी सर्विसेज |
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी: एडवांस्ड कैंसर सर्जरी, एंडोस्कोपी एवं लैप्रोस्कोपी।

आयोडीन थेरेपी, स्ट्रेस थेरेपि, HIDA एवं एडवांस्ड सिंटिग्राफी।

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी: IGRT, IMRT, 3D-CRT, ब्रेकीथेरेपी, 128 स्लाइस CT स्कैन सिमुलेटर।

इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी: एडवांस्ड इमेज-गाइडेड मिनिमली इनवेसिव डायग्नोस्टिक एवं थेराप्यूटिक प्रोसीजर।

हीमेटोलॉजी एवं हीमैटो-ऑन्कोलॉजी: ब्लड डिसऑर्डर्स, ब्लड कैंसर ट्रीटमेंट एवं डेडिकेटेड बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट।

ऑन्कोपैथोलॉजी: स्पेशलाइज्ड कैंसर डायग्नोसिस, हिस्टोपैथोलॉजी, इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री एवं मॉलिक्यूलर टेस्टिंग।

न्यूक्लियर मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी: PET-CT, SPECT,

क्रिटिकल केयर एवं इंटेसिविस्ट सर्विसेज: क्रिटिकली इल एवं कैंसर मरीजों के लिए 24x7 एम्बुलेंस सर्विसेज।

कैंसर उपचार से लेकर अत्याधुनिक जांच तक, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की नई श्रृंखला उपलब्ध

स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक उन्नत और प्रभावी बनाने के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों को शामिल किया जा रहा है। उपलब्ध सुविधाओं में एडवांस्ड लिनियर एक्सीलेटर (ट्रू बीम), हैल्सोन लिनियर एक्सीलेटर, वेरियन ब्रेकीथेरेपी, स्पेक्ट गामा स्कैन, फिलिप्स 64-स्लाइस PET स्कैन और 128-स्लाइस सीटी स्कैन सिमुलेटर जैसी आधुनिक तकनीकों शामिल हैं। कैंसर के इलाज के लिए ट्रू बीम और हैल्सोन लिनियर एक्सीलेटर जैसी प्रणालियां रेडिएशन थेरेपी (विकिरण चिकित्सा) में आधुनिक तकनीक का उपयोग करती हैं, जबकि वेरियन ब्रेकीथेरेपी आंतरिक विकिरण उपचार (ब्रेकीथेरेपी) में उपयोगी है। वहीं PET स्कैन, स्पेक्ट गामा स्कैन और 128-स्लाइस सीटी सिमुलेटर जैसी तकनीकें बीमारियों की पहचान, इमेजिंग (चित्रांकन) और उपचार की सटीक योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके साथ ही IHC (इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री) एवं फ्रोजन सेक्शन जैसी पैथोलॉजी सुविधाएं तथा CMR रोबोटिक सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीकें भी चिकित्सा क्षेत्र में उच्च स्तरीय सेवाओं को दर्शाती हैं।



ऑन्कोपैथोलॉजी / हिस्टोपैथोलॉजी -डॉ. तान्या चाबा, MBBS, MD - Pathology



ऑन्कोपैथोलॉजी विभाग की प्रभारियों में से एक डॉ. तान्या चाबा कैंसर के सटीक निदान (Diagnosis) की धुरी हैं। हिस्टोपैथोलॉजी, इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री (IHC) और मॉलिक्यूलर टेस्टिंग कैंसर के प्रकार और उसकी आक्रामक प्रकृति को समझने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। डॉ. चाबा बायोप्सी और ट्यूमर सैंपल को सूक्ष्म जांच करके यह तय करती हैं कि मरीज पर कौन सी दवा या थेरेपी सबसे प्रभावी होगी। उनकी सटीक पैथोलॉजिकल रिपोर्ट्स पर ही मेडिकल और सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट की आगे की उपचार योजना निर्भर करती है।

कैंसर का पूरा इलाज श्री बालाजी हॉस्पिटल में आयुष्मान से...

100 बेड का आईसीयू, 8 बोन मैरो ट्रांसप्लांट रूम एवं 8 अस्तयाधुनिक ऑपरेशन थियेटर से सुसज्जित 200 बेड का सुपर स्पेशलिटी कैंसर हॉस्पिटल

रायपुर के मोवा में स्थापित श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल ने चिकित्सकीय तकनीक के मामले में नए आयाम गढ़े हैं। कैंसर जैसी गंभीर और जटिल बीमारी से लड़ने के लिए केवल डॉक्टरों का अनुभव ही नहीं, बल्कि अत्याधुनिक तकनीक का होना भी उतना ही अनिवार्य है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस अस्पताल में छत्तीसगढ़ का सबसे उन्नत तकनीक वाला इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है। अस्पताल के भीतर बनाए गए 100 आईसीयू बेड गंभीर से गंभीर मरीजों को जीवन रक्षक सुविधाएं देने के लिए 24 घंटे मुस्तैद रहेंगे।

वहीं, संक्रमण के खतरे को शून्य करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया हेपा फिल्टर ऑपरेशन थियेटर और एक साथ 8 बोन मैरो ट्रांसप्लांट रूम चिकित्सा जगत में इस संस्थान की उच्च दक्षता को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, रोबोटिक सर्जरी तकनीक के जुड़ने से सर्जनों को ट्यूमर निकालने में अत्यधिक सटीकता मिलती है, जिससे रिकवरी बेहद तेज होती है। यह तकनीक आधारित दृष्टिकोण छत्तीसगढ़ के कैंसर मरीजों के लिए एक नई उम्मीद और जीवन की नई सुबह लेकर आया है।



इमैजेंट फीचर

11 दिवसीय निःशुल्क कैंसर जांच शिविर में बना वर्ल्ड रिकॉर्ड श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल का नाम गोल्डन बुक में दर्ज

51 घंटे का लगातार कैंसर जागरूकता पर सबसे लंबे रेडियो प्रसारण

राजधानी के मोवा स्थित श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल और 94.3 माय एफएम रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कैंसर जागरूकता अभियान ने एक नया इतिहास रच दिया है। अस्पताल में चल रहे 11 दिवसीय विशाल निःशुल्क कैंसर जांच एवं निदान शिविर के दौरान कैंसर जागरूकता को लेकर एक विशेष उपलब्धि हासिल करते हुए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। कैंसर की रोकथाम, समय पर जांच और शुरुआती पहचान के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से 15 से 17 सितंबर 2026 तक तीन दिवसीय रेडियो कैंसर अवेयरनेस मैराथन का आयोजन किया गया था। इस मैराथन के दौरान कैंसर से जुड़ी जागरूकता, स्क्रीनिंग, मरीजों के अनुभवों और विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर लगातार चर्चा का प्रसारण किया गया। इस अनूठी पहल को 'कैंसर जागरूकता पर सबसे लंबे रेडियो प्रसारण मैराथन' के रूप में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान मिला है।



श्री बालाजी ग्रुप के चेयरमैन ने दी बधाई

वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज होने पर श्री बालाजी ग्रुप के चेयरमैन डॉ. देवेन्द्र नायक ने 94.3 माय एफएम की पूरी टीम के साथ-साथ हॉस्पिटल के सभी कंसल्टेंट्स, चिकित्सकों और स्टाफ को बधाई दी है। उन्होंने इस पहल को 'कैंसर मुक्त छत्तीसगढ़ मिशन' के तहत जनता में जनजागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण प्रयास बताया है।

शिविर को मिल रहा है बंपर प्रतिसाद

दूसरी ओर, श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल में चल रहे 11 दिवसीय निःशुल्क कैंसर जांच एवं निदान शिविर को भी आम जनता और मरीजों का भारी उसाहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। शिविर के छठवें दिन कुल 198 मरीजों ने ओपीडी में पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया और स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। इस दौरान डॉक्टरों ने मरीजों की जांच कर उनकी आवश्यकतानुसार आगे के उपचार के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान किया।

ये हैं श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल में एक्सपर्ट्स डॉक्टरों की टीम

मेडिकल ऑनकोलॉजी
डॉ. सत्यांकर गुप्ता
(M.B.B.S, M.D. - Internal Medicine, DNB - Medical Oncology)

श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल के मेडिकल ऑनकोलॉजी विभाग में पदस्थ डॉ. सत्यांकर गुप्ता कैंसर के मरीजों के इलाज में एक प्रतिष्ठित नाम हैं। उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा और विशेष प्रशिक्षण के जरिए इंटरनल मेडिसिन और मेडिकल ऑनकोलॉजी के क्षेत्र में महारत हासिल की है। अस्पताल में वे कैंसर के जटिल मामलों में कीमोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी जैसी आधुनिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। डॉ. गुप्ता का मुख्य उद्देश्य मरीजों को दर्दमुक्त और उन्नत चिकित्सा तकनीक के माध्यम से नया जीवन देना है। वे आयुष्मान भारत और विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत आने वाले मरीजों की निरंतर सेवा कर रहे हैं, जिससे छत्तीसगढ़ और आसपास के राज्यों के कैंसर पीड़ितों को विश्वस्तरीय इलाज स्थानीय स्तर पर ही सुलभ हो पा रहा है।

हेमेटोलॉजी एवं हेमेटो-ऑनकोलॉजी
डॉ. अंबर गर्ग
MBBS, MD, DNB - Haematology

हेमेटोलॉजी विभाग के कंसल्टेंट डॉ. अंबर गर्ग ब्लड कैंसर और रक्त से जुड़ी अन्य गंभीर बीमारियों के विशेषज्ञ हैं। ल्यूकेमिया, लिंपोमा, मल्टीपल माइलोमा और थैलेसीमिया जैसी खून की जटिल बीमारियों के इलाज में उनका विशेष अनुभव है। श्री बालाजी कैंसर हॉस्पिटल में स्थापित डेडिकेटेड बोन मैरो ट्रांसप्लांट (BMT) यूनिट के संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वे रक्त विकारों से ग्रस्त मरीजों के लिए बोन मैरो प्रत्यारोपण और आधुनिक कीमोथेरेपी प्रोटोकॉल के जरिए नया जीवन सुनिश्चित कर रहे हैं।

रेडिएशन ऑनकोलॉजी
डॉ. हेमंत कुमार बंजारे
MBBS, MD - Radiation Oncology

रेडिएशन ऑनकोलॉजी विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे डॉ. हेमंत कुमार बंजारे कैंसर के मरीजों को विकिरण चिकित्सा (रेडिएशन थेरेपी) देने में दक्ष हैं। रेडिएशन ऑनकोलॉजी कैंसर के इलाज का एक अहम स्तंभ है, और डॉ. बंजारे अत्याधुनिक मशीनों जैसे ट्रू बीम (True Beam) लीनियर एक्सेलेरेटर और हैलियन (Halcyon) लीनियर एक्सेलेरेटर के माध्यम से ट्यूमर पर सटीक प्रहार करने में माहिर हैं। वे IGRT, IMRT, xD-CRT और ब्रेकीथेरेपी (Brachytherapy) जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए स्वस्थ ऊतकों को बचाकर केवल कैंसर ग्रस्त कोशिकाओं को लक्षित करते हैं। उनकी समर्पित देखरेख में मरीजों को सुरक्षित और प्रभावी विकिरण उपचार मिल रहा है।

सर्जिकल ऑनकोलॉजी
डॉ. वैभव कुशवाह
MBBS, MS, MCh - Surgical Oncology

सर्जिकल ऑनकोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. वैभव कुशवाह एक अनुभवी कैंसर सर्जन हैं। वे टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल (MPMMCC, वाराणसी) के पूर्व सीनियर रेजिडेंट रह चुके हैं, जहाँ उन्होंने कैंसर सर्जरी के क्षेत्र में गहन अनुभव प्राप्त किया है। डॉ. कुशवाह स्तन कैंसर, हेड एंड नेक कैंसर, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर और अन्य सॉलिड ट्यूमर की जटिल से जटिल सर्जरी को अपनी कुशल तकनीकों से सफलतापूर्वक अंजाम देते हैं। वे न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी (लेप्रोस्कोपिक) और रोबोटिक सर्जरी में भी विशेष रुचि रखते हैं, जिससे मरीजों को सर्जरी के बाद कम दर्द और तेजी से रिकवरी मिलती है। उनकी प्रतिबद्धता और सटीक सर्जिकल कौशल से अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर परिणाम मिल रहे हैं।

न्यूक्लियर मेडिसिन
डॉ. विवेक बघेल
MBBS, MD - Nuclear Medicine

न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के विशेषज्ञ डॉ. विवेक बघेल AIIMS New Delhi के पूर्व सीनियर रेजिडेंट, FAONI - दक्षिण कोरिया, MCANM - कनाडा, मलेशिया, सिंगापुर) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षित चिकित्सक हैं। उन्होंने देश के सर्वोच्च संस्थान एम्स (नई दिल्ली) के अलावा विदेशों से भी फेलोशिप प्राप्त की है। वे PET-स्कैन (PET-CT), स्पेक्ट (SPECT), आयोडीन थेरेपी और विभिन्न प्रकार की उन्नत स्कैनिंग व रेडियोलॉजिकल जांचों में विशेषज्ञता रखते हैं। कैंसर की शुरुआती पहचान और उसकी सटीक स्टेजिंग तय करने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनकी देखरेख में न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग मरीजों को अत्याधुनिक रेडियो-आइसोटोप उपचार और सटीक डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान कर रहा है।

पेन मैनेजमेंट एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी
डॉ. रितेश साहू
MD - Radiodiagnosis, DM-Interventional Radiology

रेडियोलॉजी एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग के विशेषज्ञ डॉ. रितेश साहू इमेज-गाइडेड और न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रियाओं में विशेषज्ञता रखते हैं। वे 128 स्लाइस सीटी स्कैन, एमआरआई और अन्य आधुनिक इमेजिंग तकनीकों के जरिए बीमारियों की सटीक पहचान करते हैं। इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के क्षेत्र में वे बिना बड़े चीरे के केवल बारीक नसों के जरिए कई जटिल बीमारियों और कैंसर का सटीक उपचार करने में सक्षम हैं। उनकी डायग्नोस्टिक रिपोर्टिंग डॉक्टरों की पूरी टीम को सही ट्रीटमेंट प्लान बनाने में मदद करती है, जिससे मरीजों का इलाज और अधिक सटीक हो जाता है।

शिविर के अंतिम 5 दिन | इस शिविर में अग्रिम पंजीयन आवश्यक है, पंजीयन हेतु संपर्क करें- 7879424697, 9685724697

हरि भूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

सरगुजा में 10 में करीब सात महिलाएं श्रम बल में

एनएसओ की 18 सितंबर 2026 को जारी रिपोर्ट में अजमर-अलम जिलों के श्रम बाजार की पहली जिला-स्तरीय तस्वीर साधने आई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के करीब 57.8 फीसदी जिलों में महिलाओं का एनएफपीआर 40 फीसदी या उससे अधिक है। छात्रावास के मामले में रिपोर्ट ने राज्य के महिला आबादी के हिसाब से सबसे बड़े जिलों में से सबसे अधिक महिला एनएफपीआर और डबल्यूआर वाले जिलों के रूप में सरगुजा को दर्ज किया है। सरगुजा में महिला एनएफपीआर 69 फीसदी और महिला डबल्यूआर 68 फीसदी है। इसका सीधा अर्थ यह है कि सरगुजा की 69 फीसदी महिलाएं नौकरी कर रही हैं। एनएफपीआर में वे महिलाएं भी शामिल होती हैं जो काम कर रही हैं या काम तलाश ▶▶ शेष पेज 4 पर

छत्तीसगढ़ में महिला श्रम शक्ति... देश की राजधानियों में रायपुर तीसरा, टॉप पर शिमला, जिलों में सरगुजा को मिला चौथा स्थान

एनएसओ की रिपोर्ट में राज्यों के सभी जिलों की पूरी रैंकिंग नहीं दी गई है। महिला एलएफपीआर के लिए राज्यों के महिला आबादी के लिहाज से चुने गए प्रमुख जिलों में सबसे अधिक ▶▶ शेष पेज 4 पर

सुरेश गुप्ता के गोदाम की जांच

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक जिस गोदाम से नुस्खा और मशीन बरामद हुई हैं, उसके मालिक का नाम सुरेश गुप्ता बताया जा रहा है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम गोदाम और पैक्ट्री में मिले दस्तावेजों, खरीद-बिक्री से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य कागजात की जांच कर रही है। अधिकारियों द्वारा यह भी देखा जा

►► शेष पृष्ठ 4 पर

इनापुट टैक्स केडिट (आईटीसी) का लाभ लेने वाले कारोबारी ने अलग-अलग लोगों के नाम से दस्तावेजों के आधार पर उनके नाम से फर्म बनाकर जीएसटी नंबर हासिल किया। जिन लोगों के नाम से कारोबारी ने फर्म बनाया था उनसे अपने फर्म अगस्त्य और अग्रवाल

▶▶ शेष पेज 4 पर

भोरियाकला निवासी हाफिज इसराइल से उनके नाम पर फर्म संचालित होने की जानकारी देने पर उन्होंने बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी पिछले वर्ष मिली थी कि कोई उनके नाम पर फर्म बनाकर करोड़ों रुपए का कारोबार किया ▶▶शेष पेज4 पर



ISBM UNIVERSITY

KNOWLEDGE • WISDOM • HUMANITY



BCI
Bar Council of India



Association of Indian Universities



Chhattisgarh Private Universities Regulatory Commission



UGC University Grant Commission



AICTE All India Council for Technical Education



PCI Pharmacy Council of India



LAUNCH YOUR FUTURE WITH ISBM UNIVERSITY

New Campus in Heart of Raipur
❖ Ultra Modern Campus
❖ A.I. + M.L. Classes for All Student
❖ Personalised Career Guidance with Prior Appointment

CHOOSE A UNIVERSITY THAT PUTS YOU FIRST!





ADMISSION OPEN 2026-27

Hostel Facility Available Boys/Girls



10,000+
Students & Alumni



25+
Awards & Recognitions



150+
Recruiters Network



200+
National & International Conferences



50+
MoUs & Tie-Ups



750+
Research Publications



20+
Patents



₹2.5cr+
Research Fellowship

OUR PROGRAMS

- PHARMACY
- LAW
- INFORMATION & TECHNOLOGY
- LIBRARY & INFORMATION SCIENCE
- COMMERCE & MANAGEMENT
- JOURNALISM & MASS COMMUNICATION
- HOTEL MANAGEMENT

- INNOVATION & COMPUTING
- DESIGN
- ENGINEERING & TECHNOLOGY
- SCIENCE
- ARTS & HUMANITIES
- YOGA & NATUROPATHY
- Ph.D



+91 9109333333, +91 7880170727



www.isbmuniversity.edu.in
(SCAN QR TO VISIT WEBSITE)

Raipur Campus - ISBM University, Near Nalanda Parisar, Raipur, Chhattisgarh- 492099
 Main Campus - ISBM University, Nawapara (Kosmi), Block & Tehsil- Chhura, Gariyaband, Chhattisgarh - 493996

Shreeam Addiction

चिंतन

सिर्फ सुखि्रयां बटोरने के लिए फूहड़ता ठीक नहीं

राजनीति में व्यंग्य और हास्य के लिए जगह होनी चाहिए। सत्ता और विश्व के नेताओं पर कटाक्ष लोकातांत्रिक व्यवस्था में कोई नई बात नहीं है, लेकिन राजनीतिक विरोध को व्यक्त करने के लिए भाषा और प्रस्तुति की एक मर्यादा भी होती है। केवल चर्चा पाने, सुखि्रयां बटोरने या सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कराने के लिए फूहड़ता दिखाना ठीक नहीं है। ऐे करना स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति का संकेत नहीं हो सकता। इंदौर में राहुल गांधी के ‘छात्रों की गुंज’ कार्यक्रम में हुआ घटनाक्रम इसी सवाल को सामने लाता है। 19 सितंबर को हुए इस कार्यक्रम में छात्रों ने शिक्षा, भर्ती, परीक्षा, आरक्षण, छात्रावास और रोजगार से जुड़े गंभीर सवाल उठाए। कार्यक्रम का उद्देश्य ही छात्रों की समस्याओं को सामने लाना था। राहुल गांधी ने भी पेपर लीक, भर्ती और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर सरकार को चेरा और कहा कि छात्रों का सवाल पूछना जरूरी है, लेकिन कार्यक्रम के एक हिस्से ने पूरे संवाद की दिशा बदल दी। स्टैंडअप कॉमेडियन पुलकिस्त भणि ने मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंदाज की नकल की। राहुल उनके साथ नजर आए और उनसे मजाकिया अंदाज में संवाद भी किया। इसके बाद भाजपा ने आरोप लगाया कि प्रस्तुति में प्रधानमंत्री की दिवंगत मां का भी अपमान किया गया। केंद्रीय मंत्री अरुन रिजिजू ने कांग्रेस पर तीखी टिप्पणी की, जबकि शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इसे राजनीतिक मर्यादा और मानवीय संवेदनशीलता से जुड़ा विषय बताया। दूसरी तरफ, कांग्रेस की ओर से भाजपा के आरोपों को खारिज किया गया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी इस आरोप को नकारते हुए कहा कि कार्यक्रम को लेकर नकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है। यहां मूल सवाल किसी एक दल के आरोप या प्रत्यारोप से आगे का है। राजनीतिक व्यंग्य आखिर कितना व्यक्तिगत होना चाहिए? किसी नेता की नीतियों, फैसलों, भाषणों और राजनीतिक शैली पर तीखा व्यंग्य लोकातांत्रिक बहस का हिस्सा हो सकता है, लेकिन जब हाव्य किसी नेता के निजी या पारिवारिक संदर्भ तक पहुंच जाए और उससे किसी की गरिमा आहत होने की स्थिति पैदा हो, तब मंच पर मौजूद लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। खासकर तब, जब कार्यक्रम का केंद्र देश के युवा और छात्र हों। दुर्भाग्य यह है कि छात्रों के गंभीर सवालों के बीच हुई एक प्रस्तुति ने पूरी चर्चा को राजनीतिक विवाद में बदल दिया। सोशल मीडिया के दौर में राजनीतिक दलों के लिए यह समझना और भी जरूरी है कि कुछ भिन्न के वायरल चर्चा के लिए कहीं गई बात लंबे समय तक राजनीतिक संवाद की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर सकती है। राजनीति में हास्य खस करने की जरूरत नहीं है। व्यंग्य सत्ता से सवाल पूछने का प्रभावी माध्यम हो सकता है, लेकिन व्यंग्य की धार व्यवस्था और नीतियों पर होनी चाहिए, व्यक्तिगत गरिमा को चोट पहुंचाने पर नहीं। इसी तरह विश्व को सरकार की आलोचना करने का पूरा अधिकार है, लेकिन आलोचना को प्रभावी बनाने के लिए फूहड़ता जरूरी नहीं है। आज युवाओं के सामने परीक्षा, रोजगार, कौशल, महंगी शिक्षा और सुरक्षित छात्रावास जैसे वास्तविक प्रश्न हैं। वे राजनीतिक दलों से केवल भाषण या मनोरंजन नहीं, अपने भविष्य को लेकर स्पष्टता चाहते हैं। इसलिए छात्र संवाद के मंच पर ऐसी कोई बात नहीं होनी चाहिए जो मूल मुद्दों को पीछे धकेल दे। छात्रों की आवाज को राजनीतिक शोर में नहीं, गंभीर संवाद और समाधान में जगह मिलनी चाहिए।

चिंता

बलकार सिंह पूनिया



जलाशय सूखे, क्षमता घट रही मानसून के भरोसे कब तक?

गर्मी बढ़ते ही देश में पानी को लेकर चिंता बढ़ना कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस बार चिंता का कारण केवल आसमान से होने वाली बारिश नहीं, बल्कि जमीन पर उपलब्ध पानी को संभालने की हमारी घटती क्षमता भी है। देश के प्रमुख जलाशयों में जलस्तर तेजी से नीचे जाना और दूसरी ओर उठी जलाशयों की भंडारण क्षमता का गंदे कारण लगातार कम होते जाना आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है। सवाल यह नहीं है कि मानसून इस बार कितना अच्छा रहेगा, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि मानसून से मिलने वाले पानी को हम कितना बचा पाएंगे। केंद्रीय जल आयोग 166 प्रमुख जलाशयों के जलस्तर की नियमित निगरानी करता है। इन जलाशयों की कुल लाइव स्टोरेज क्षमता 183.565 अरब घन मीटर है। समाचार में उद्धृत मध्य-मई की स्थिति के अनुसार इनमें करीब 63 बीसीएम पानी ही बचा था, यानी लगभग 34.45 प्रतिशत। इसका अर्थ साफ है कि गर्मी के चरम दौर में देश के प्रमुख जलाशयों का लगभग दो-तिहाई भंडारण खाली हो चुका था। कई राज्यों में स्थिति इससे भी अधिक चिंताजनक रही और अनेक बांधों में पानी 40 से 50 प्रतिशत से नीचे पहुंच गया, लेकिन देश की जल समस्या का शायद सबसे गंभीर और अपेक्षाकृत कम चर्चित पहलू जलाशयों में लगातार बढ़ती गाद है। केंद्रीय जल आयोग द्वारा तैयार ‘भारत में जलाशयों में गाद जमाव संबंधी संकलन-2024’ में 548 जलाशयों के आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जिनमें से 439 जलाशयों के आंकड़े विश्लेषण के लिए उपयुक्त पाए गए। अध्ययन के अनुसार, इन 439 जलाशयों की सकल भंडारण क्षमता में गाद जमने के कारण औसतन 19.24 प्रतिशत की कमी हो चुकी है। वहीं, जलाशयों की भंडारण क्षमता में प्रत्येक वर्ष औसतन 0.74 प्रतिशत की कमीकरण की जा रही है। यह आंकड़ा भविष्य की भयावह तस्वीर समझने के लिए पर्याप्त है। यदि जलाशय में पानी पहुंचाने वाली नदियां और बरसाती धाराएं अपने साथ मिट्टी और तलछट लाती रहें तथा जलाशयों में गाद जमा होती रहे, तो कुछ वर्षों बाद अच्छी बारिश होने पर भी हमारे पास पानी रखने की पर्याप्त क्षमता नहीं होगी। यानी एक तरफ वर्षा की अनिश्चितता और दूसरी तरफ घटती भंडारण क्षमता। देश एक साथ दोहरी चुनौती का सामना कर रहा है। और यह समस्या पुराने जलाशयों में अधिक गंभीर हो सकती है। राष्ट्रीय रजिस्टर ऑफ स्पेसिफाइड डैम्स 2025 के अनुसार देश में 6,628 निर्दिष्ट बड़े बांध हैं। इनमें 6,545 बांध पूर्ण और कार्यशील हैं तथा 83 निर्माणाधीन हैं। इन बांधों की सकल जल भंडारण क्षमता करीब 330 अरब घन मीटर है। इनमें से 1,681 बांध 50 वर्ष से अधिक पुराने हैं और 291 बांध 100 वर्ष से भी अधिक पुराने हैं। यानी देश के लगभग 26 प्रतिशत निर्दिष्ट बांध आधी सदी से अधिक पुराने हैं। उम्र अपने आप में किसी बांध को असुरक्षित नहीं बनाती, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ संरचनात्मक रखरखाव, जलाशय की क्षमता, गाद, जलग्रहण क्षेत्र में बदलाव और संचालन व्यवस्था की नियमित समीक्षा अधिक जरूरी हो जाती है। सरकार के अनुसार, वर्ष 2025 में 6,524 बांधों का मानसून-पूर्व और 6,553 बांधों का मानसून-पश्चात निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के बाद तीन बांधों को सबसे गंभीर श्रेणी-1 (कैटेगरी-1) तथा 216 बांधों को श्रेणी-2 (कैटेगरी-2) में रखा गया। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि बांधों की सुरक्षा को केवल उनके निर्माण के समय ही नहीं, बल्कि उनके पूरे जीवन-चक्र के दौरान प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। नियमित निरीक्षण, समयबद्ध रखरखाव और आवश्यकतानुसार पुनर्वास से ही बांधों की सुरक्षा और उनकी उपयोगिता लंबे समय तक सुनिश्चित की जा सकती है। भारत ने बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 और बांध पुनर्वास एवं सुधार परियोजना जैसे कदमों के माध्यम से इस दिशा में संस्थागत व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास किया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इन व्यवस्थाओं का प्रभाव राज्यों और स्थानीय स्तर पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे। दरअसल, जल संकट का स्थायी समाधान केवल मानसून की अच्छी बारिश नहीं है। मानसून निश्चित रूप से राहत देगा, लेकिन जल सुरक्षा केवल बारिश से नहीं आएगी। इसके लिए जलग्रहण क्षेत्रों का संरक्षण, गाद नियंत्रण, पुराने बांधों का पुनर्वास, वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और पानी के विवेकपूर्ण उपयोग को एक साझा राष्ट्रीय कार्यक्रम बनाना होगा। आखिरकार सवाल यह नहीं है कि आसमान से कितना पानी बरसेगा; सवाल यह है कि धरती पर गिरने वाली हर बूंद में से हम कितनी बूंदें आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रख पाएंगे।

(लेखक गामीण विकास विभाग इन्ज्नी में सहायक आचार्य हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)



यूपीआई पर शुल्क सतीश सिंह

भारत में चाय की छोटी दुकान से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल तक, यूपीआई भुगतान रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। मोबाइल से कुछ ही सेकंड में भुगतान की सुविधा ने नकदी पर निर्भरता घटाने के साथ छोटे कारोबारियों को भी डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा है। ऐसे में 15 अक्टूबर 2026 से कुछ बड़े यूपीआई मर्चेट भुगतानों पर एमडीआर लागू होने का फैसला स्वाभाविक रूप से चर्चा में है। हालांकि इसका सीधा बोझ उपभोक्ता पर नहीं पड़ेगा और अधिकांश छोटे भुगतान शुल्क–मुक्त रहेंगे, फिर भी व्यापारियों की लागत और डिजिटल भुगतान की रफ्तार पर इसके असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए नई व्यवस्था में सुविधा, पारदर्शिता और टिकाऊपन के बीच संतुलन जरूरी है।

डिजिटल भुगतान पर संतुलन की चुनौती

भारत में चाय की दुकान से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल तक, यूपीआई भुगतान का सबसे सहज माध्यम बन चुका है। जब में नकदी हो या न हो, मोबाइल फोन और बैंक खाते के सहारे कुछ ही सेकंड में भुगतान पूरा हो जाता है। इस सरलता ने न केवल लेन-देन की आदत बदली, बल्कि छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों और दूरदराज के क्षेत्रों को भी डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा है। ऐसे में 15 अक्टूबर 2026 से कुछ यूपीआई भुगतान पर शुल्क लगाने का निर्णय स्वाभाविक रूप से चर्चा और चिंता का विषय बन गया है। नई व्यवस्था को लेकर सबसे पहले यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि यह शुल्क सामान्य उपभोक्ता से नहीं लिया जाएगा। किसी मित्र या रिश्तेदार को पैसे भेजने वाले व्यक्ति-से-व्यक्ति यानी पी2पी लेन-देन पहले की तरह निशुल्क रहेंगे। इसी तरह दुकानदार को किए जाने वाले 2,000 रुपये तक के भुगतान पर भी कोई मर्चेट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर नहीं लगेगा। शुल्क केवल चुनिंदा व्यक्ति-से-व्यापारी यानी पी2एम लेन-देन पर लागू होगा।

15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से अधिक के पात्र यूपीआई मर्चेट भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाया जाएगा। इसका भुगतान व्यापारी को करना होगा। अधिकतम शुल्क प्रति लेन-देन 300 रुपये निर्धारित किया गया है। इसका अर्थ है कि 3,000 रुपये के भुगतान पर व्यापारी को 12 रुपये और 10,000 रुपये के भुगतान पर 40 रुपये एमडीआर देना होगा। 75,000 रुपये अथवा उससे अधिक के भुगतान पर शुल्क 300 रुपये से अधिक नहीं होगा। हालांकि, सभी व्यापारियों और क्षेत्रों पर एक जैसी दर लागू नहीं होगी। यूपीआई क्यूआर कोड के माध्यम से एक महीने में एक लाख रुपये तक प्राप्त करने वाले छोटे व्यापारियों को इस शुल्क से बाहर रखा गया है। रेलवे, ईंधन, दूरसंचार, बीमा, कृषि सामग्री, उपयोगिता बिल और कुछ अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान पर 5 रुपये का निश्चित एमडीआर रखा गया है। पूंजी बाजार से जुड़े चुनिंदा भुगतानों पर 0.02 प्रतिशत की रियायती दर लागू होगी, जिसकी अधिकतम सीमा भी 300 रुपये होगी। सबसे महत्वपूर्ण है कि 2,000 रुपये तक के भुगतान यूपीआई मर्चेट लेन-देन की कुल संख्या के 95 प्रतिशत से अधिक हैं। इसलिए अधिकांश रोजमर्रा के भुगतान शुल्क-मुक्त ही बने रहेंगे। नई व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि एमडीआर का बोझ ग्राहक पर डालने की अनुमति नहीं है। बैंक, भुगतान सेवा प्रदाता और व्यापारी किसी पात्र भुगतान पर लागू शुल्क ग्राहक से अलग से नहीं वसूल सकते। फिर भी व्यावहारिक स्तर पर चुनौती बनी

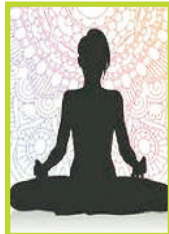
रहेगी। कोई व्यापारी ग्राहक से प्रत्यक्ष रूप से यूपीआई शुल्क न लेकर वस्तु या सेवा की कीमत में उसे शामिल कर सकता है। वह यूपीआई भुगतान पर छूट देने से मना कर सकता है अथवा नकद भुगतान को प्राथमिकता दे सकता है। कम लाभ वाले कारोबारों में 0.4 प्रतिशत की दर छोटी दिखाई देने के बावजूद संचयी रूप से उल्लेखनीय लागत बन सकती है। उदाहरण के लिए, किसी व्यापारी को महीने में 10 लाख रुपये के ऐसे पात्र यूपीआई भुगतान मिलते हैं तो सैद्धांतिक रूप से एमडीआर का बोझ 4,000 रुपये तक पहुंच सकता है। खुद्रा व्यापार, दवा, किराना और वितरण जैसे क्षेत्रों में,



जहां लाभ का अंतर सीमित होता है, यह लागत संवेदनशील हो सकती है।

सोशल मीडिया पर यह कहा जा रहा है कि यूपीआई भुगतान पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाया जा रहा है। यह दावा भ्रामक है। जीएसटी ग्राहक द्वारा भुगतान की गई पूरी राशि पर नहीं, बल्कि व्यापारी से लिए गए एमडीआर पर लागू होगा। यदि 10,000 रुपये के पात्र भुगतान पर 40 रुपये एमडीआर बनता है तो 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी 7.20 रुपये होगा। अर्थात व्यापारी की कुल लागत 47.20 रुपये होगी। जीएसटी में पंजीकृत पात्र व्यापारी नियमानुसार इस कर का इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त कर सकता है। लेकिन गैर-पंजीकृत व्यापारी को इसका लाभ नहीं मिलेगा। इसलिए उसके लिए जीएसटी भी वास्तविक अतिरिक्त व्यय बन सकता है। यूपीआई उपयोगकर्ता को भले निशुल्क दिखाई देता हो, लेकिन इसकी पूरी व्यवस्था लागत-मुक्त नहीं है। प्रत्येक लेन-देन के पीछे बैंकों, एनपीसीआई, भुगतान ऐप, डेटा केंद्रों और तकनीकी सेवा प्रदाताओं का विस्तृत ढांचा काम करता है। सर्वर क्षमता बढ़ाने, साइबर सुरक्षा मजबूत करने, धोखाधड़ी रोकने, शिकायतों का निपटारा करने और

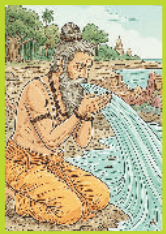
योग-ध्यान भावनाओं को रोकें नहीं, साधें



संकलित

दर्शन

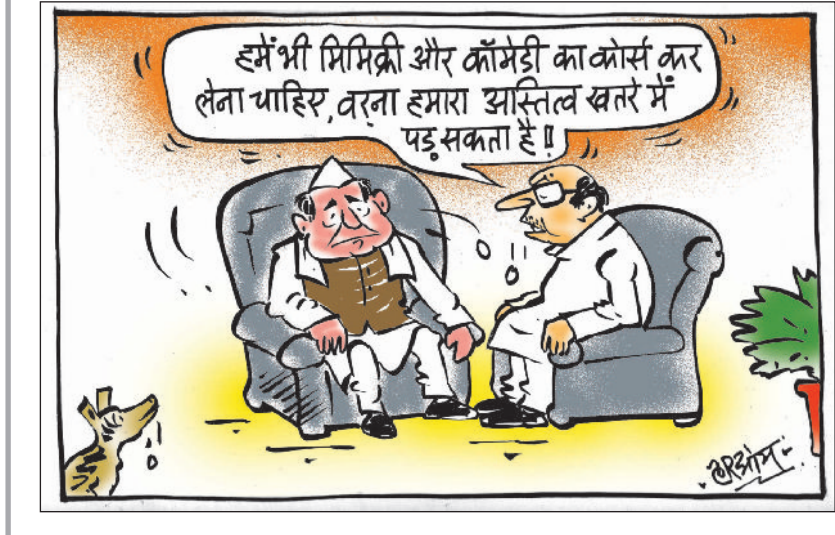
जब भी आप क्रोध जैसी किसी भी नकारात्मक भावना को रोकने का प्रयास करते हैं, तो वह और भी ज्यादा तेज हो जाती है। आप जो चीज नहीं चाहते हैं, उसे यदि आप रोकने की कोशिश करते हैं, तो ऐसा ही होता है। वस्तुतः मानव मन की यही प्रकृति है। मन को अपने अनुकूल साधने की प्रणाली योग है। योग की प्रणाली अनुभव के स्तर पर अपने शरीर और मन की प्रकृति का अनुसंधान करती है। जब आप सुबह उठकर आसन करते हैं, तो आप उसे मात्र व्यायाम न समझें। वास्तव में योग यह सुनिश्चित करता है कि आप जीवन से कितनी सहजता से गुजरते हैं, आप अपने शरीर और अपने मन को कितनी गहराई से समझते हैं। यदि आप गाड़ी चलाकर कहीं जा रहे हैं तो यात्रा मंगलमय होने के लिए, दो बातें जरूरी हैं। एक तो गाड़ी का अच्छा होनी चाहिए और दूसरी आपको गाड़ी की समझ हो। आपके शरीर और मन के बारे में योग यही तो सुनिश्चित करता है। यह बड़ी व्यावहारिक बात है, यह कोई आत्मज्ञान नहीं है। अगर आप एक अज्ञानी जीवन भी जीना चाहते हैं, तब भी योग जरूरी है। जब आप आसन करते हैं तो आप अपने शरीर और मन की प्रकृति को खोजते हैं। अगर आप अपनी अंगुलियों को एक खास तरह से चलाते हैं, तो आपका मन उसके मुताबिक काम करता है। आप अपने शरीर से जो कुछ भी करते हैं, उससे आपके मन के साथ भी कुछ होता है। किताब पढ़ने से यह समझ प्राप्त नहीं होगी।



संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन



करंट अफेयर

सबसे कठिन समय में भी नई शुरुआत की संभावनाएं

अपनी नयी किताब को लेकर उत्साहित भारतीय–अमेरिकी प्रसिद्ध लेखिका मोनिका सैंगल को उम्मीद है कि ‘नए सिर से शुरुआत और दूसरे अवसरों ’ का उनका संदेश पाठकों को पसंद आएगा। सैंगल की इस किताब में सबसे कठिन समय में भी नयी शुरुआत की संभावनाओं की तलाश की गई है। सैंगल की 14वीं किताब ‘द लोटस ब्लूम्स ट्वाइस : स्टोरीज ऑफ लव, लाइफ एंड रिडेम्प्शन’ का विमोचन एक अक्टूबर को होगा। यह किताब नए सिर से जीवन शुरू करने और दूसरे अवसरों पर आधारित लघु कथाओं का संग्रह है, जो ‘जीवन के मध्य काल में रचनात्मकता और नवीनीकरण’ के विषय को एक स्वाभाविक मंच प्रदान करती है। सैंगल इससे पहले कथा साहित्य, पाक कला से जुड़ी किताबें, कविताएं और बच्चों के साहित्य सहित विभिन्न विधाओं में किताबें लिख चुकी हैं। पुरस्कार विजेता लेखिका सैंगल ने ‘पीटीआई–भाषा’ से कहा, ‘मुझे उम्मीद है कि किताब पढ़ने के बाद पाठक यह विश्वास लेकर लौटेंगे कि हम जरूरत पड़ने पर जितनी बार चाहें, फिर से उठ खड़े हो सकते हैं। जीवन जब बेहद अंधकारमय लग रहा हो, तब भी उसमें नए सिर से शुरुआत और उम्मीद की हमेशा संभावना होती है।’



ऑफ बीट

कैसे पता करें एआई का जवाब भरोसेमंद है या नहीं ?

हाल ही में मैंने गूगल पर एक सीधा– सा सवाल टाइप किया कि किशोरों के लिए कितना ‘स्क्रीन टाइम’ बहुत ज्यादा माना जाता है ? कई वर्षों से गूगल

ऐसे सवालों के जवाब में वेबसाइट्स के लिंक दिखाता आया है, लेकिन इस बार उसने सीधे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार किया हुआ जवाब दिया। एआई ने एक संख्या बताई, लेकिन साथ ही जवाब को गटिल बनाते हुए यह भी समझाया कि स्क्रीन पर बिताए जाने वाले समय की अवधि से ज्यादा महत्वपूर्ण यह हो सकता है कि उस समय का इस्तेमाल किस तरह और किस संतुलन के साथ किया जा रहा है। उसने यह भी कहा कि ‘बहुत ज्यादा ’ स्क्रीन टाइम इस बात पर निर्भर कर सकता है

कि किशोर की नींद, व्यायाम, पढ़ाई और मानसिक स्थिति कैसी है। मैंने एक और सवाल पूछा : क्या मुझे रोजाना ‘एरिपरिन’ लेनी चाहिए ? इस बार एआई के जवाब में चिकित्सकीय जानकारी दी गई, संभावित जोखिमों के बारे में चेताया गया और मेरी उम्र तथा चिकित्सीय इतिहास बताने पर अधिक व्यक्तिगत सलाह देने की पेशकश की गई। दोनों जवाब उपयोगी थे। लेकिन मेरे लिए ज्यादा दिलचस्प बात यह थी कि दोनों सवालों के जवाब देने का तरीका बिल्कुल अलग था।

विचार हरिभूमि

लेन-देन विफल होने पर धन वापसी सुनिश्चित करने में लगातार निवेश करना पड़ता है। जुलाई 2026 में यूपीआई से 2,366 करोड़ लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य 29.9 लाख करोड़ रुपये था। इतने विशाल तंत्र को केवल सरकारी प्रोत्साहन राशि के सहारे लंबे समय तक चलाना आसान नहीं है। सीमित और बड़ी व्यापारिक अदायगियों पर शुल्क लगाकर बुनियादी ढांचे को टिकाऊ बनाने का तर्क इसलिए पूरी तरह अनुचित नहीं कहा जा सकता। एक स्थायी आय मॉडल से छोटे भुगतान ऐप और नई कंपनियों भी बाजार में टिक सकेंगी, जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। दूसरी ओर, यूपीआई की अस्थाधारण सफलता का एक प्रमुख कारण उसका निशुल्क होना है। भुगतान की सुविधा के साथ शून्य लागत ने व्यापारियों को क्यूआर कोड अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसी से छोटे भुगतान भी तेजी से डिजिटल हुए और अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ी। यदि शुल्क का दायरा धीरे-धीरे बढ़ता गया तो डिजिटल भुगतान की रफ्तार प्रभावित हो सकती है। 2,000 रुपये की सीमा भी व्यवहारगत विकृति पैदा कर सकती है। संभव है कि कुछ व्यापारी 2,000 रुपये से अधिक के एक भुगतान को दो हिस्सों में स्वीकार करने लगे। इससे व्यवस्था का उद्देश्य कमजोर होगा और लेन-देन की संख्या अनावश्यक रूप से बढ़ेगी। ऐसे व्यवहार को रोकने के लिए नियम स्पष्ट होने चाहिए, लेकिन निगरानी ऐसी भी न हो कि ईमानदार छोटे व्यापारियों पर अनुपालन का अतिरिक्त दबाव पड़ने लगे। व्यापारी को स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए कि किस लेन-देन पर कितना एमडीआर और जीएसटी काटा गया, राशि किसें मिली और उसे कितना शुद्ध भुगतान प्राप्त हुआ। शिकायत-निवारण की सरल व्यवस्था भी जरूरी है। गलत वर्गीकरण के कारण किसी छोटे व्यापारी से शुल्क कटें तो उसे समयबद्ध तरीके से वापस किया जाना चाहिए। यूपीआई को टिकाऊ बनाने और वित्तीय समावेशन की मौजूदा गति में व्यवस्था न आए के बीच संतुलन साधना होगा। सरकार को नई व्यवस्था की समीक्षा करनी होगी, जिसमें यह देखना होगा कि शुल्क के बाद बड़े यूपीआई भुगतानों की संख्या घटी या नहीं, ग्राहकरी नकदी की ओर लौटे अथवा शुल्क परोक्ष रूप से ग्राहकों तक पहुंचा आदि और आए बदलाव के अनुकूल फैसला लेना होगा। एमडीआर से प्राप्त आय का एक हिस्सा साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी पीड़ितों की सहायता, ग्राहक सेवा और ग्रामीण डिजिटल बुनियादी ढांचे पर खर्च किया जाना चाहिए, ताकि शुल्क से इस प्रक्रिया को और भी सुरक्षित और भरोसेमंद बनाया जा सके।

(लेखक वरिष्ठ आर्थिक संतर्कज्ञ हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर देख सकते हैं।

मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी

अगस्त्य नाम के ऋषि थे वे समुद्र के किनारे कठोर व्रत कर रहे थे, वहां से कुछ दूरी पर एक पक्षी अपने अंडों को से रहा था। उसी समय समुद्र में तूफान सी लहरें उठने लगी पानी चढ़ने लगा और पानी अपने साथ अंडों को बहा ले गया, पक्षी बहुत दुःखी हुआ और उसने प्रतिज्ञा की कि मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी और अपने चोंच में सागर के जल को भर-भर कर फेंकने लगी ऐसा करते करते उसे काफी समय बित गया समुद्र का जल घटा ही नहीं। वह दुःखी मन से अगस्त्य मुनि के पास गई और अपनी व्यथा सुना समुद्र को सुखाने की प्रार्थना की। अगस्त्य मुनि ने ध्यान से पक्षी की व्यथा सुनी और चिंता व्यक्त की। ऋषि विचार करने लगे की मैं कैसे इस पक्षी की सहायता कर सकता हूं। उन्हें चिंता होने लगी की मैं कैसे समुद्र के जल को पी कर सुखा सकूं।। विचार करते हुए अगस्त्य मुनि ने गणेश जी का स्मरण किया और संकट चतुर्थी व्रत को पूरा किया। तीन मास व्रत करने से गणेश जी प्रसन्न हो गए। गणेशजी ने मुनि का मार्ग प्रशस्त किया चौथ व्रत की कृपा से अगस्त्य मुनि ने प्रेम से समुद्र को पी कर सुखा दिया और पक्षी की प्रतिज्ञा को पूरा किया। प्रतिज्ञा पूरी होने से पक्षी भी खुश हुआ।

टैंड

कांग्रेस जोकर्स की पार्टी

कांग्रेस कॉमेडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे इनेशा के लिए बाहर हो गए हैं। रेटे इन पीस। राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापान के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। उसे अछे बुरे का कोई ख्याल नहीं है। -किरण रिजिजू, केंद्रीय मंत्री

हॉस्टल के लिए पैसा नहीं

इंटीर में एक छात्र ने मुझसे पूछा, सरकार के पास दिया जलाने के लिए पैसा है, हॉस्टल के लिए क्यों नहीं? गांव से शहर पहुंचने आने वाली छात्राओं को हॉस्टल नहीं मिलने पर पीजी ने खरन पड़ा है। किराए और सुरक्षित रहने का खर्च इतना ज्यादा है कि कई लड़कियां पढ़ाई छोड़ देती हैं। -राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

अरावली पर गंभीर खतरा

खनन, रियल एस्टेट व अन्य परियोजनाओं की अनुमति देने के लिए अरावली को फिर से परिभाषित करने के मोदी सरकार के कदमों से इस पर गंभीर खतरा नट्परा रहा है। प्रवाल ज्वारपीठा के नौ फरवरी 2027 को सेवानिवृत्त होने से पहले, हमें शापद पता चल जाएगा कि इन कदमों का क्या होता है। -जयराम रमैया, कांग्रेस महासचिव

राहुल पर सवाल

राहुल गांधी की राजनीति उस स्तर पर पहुंच गई है जहां एक बुजुर्ग महिला के प्रति सम्मान भी मजकूर का विषय बन जाता है। पीपुल मोदी ने भीड़ में एक महिला को खड़े देखा, अपना भाषण रोक व यह सुनिश्चित किया कि उन्हें कुर्सी दी जाए। यही संस्कार है। यही महिला है। यही लोगों के प्रति सम्मान है। -नौहन चरण माझी, सीएम ओडिशा

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपुर, बिलासपुर
फोन : 401050,271016,फैक्स–271018
ई–मेल : haribhoomibsp@gmail.com
वेब–साइट : www.haribhoomi.com



छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

हरिभूमि



मंधाना ने रचा इतिहास

100 छक्के और टी20आई में नंबर-1 बल्लेबाज

नागोया। भारत ने एशियन गेम्स के विमेंस क्रिकेट सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस बीच, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना अब टी20आई क्रिकेट (महिला और पुरुष दोनों) इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। मंधाना के नाम अब टी20आई क्रिकेट में 4,788 रन दर्ज हैं, इसके साथ ही उन्होंने सुजी बेट्स के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। मंधाना महिला T20I में 100 छक्के पूरे करने वाली पहली भारतीय भी बन गई हैं। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने अपने नाम एक और खास रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है।

समाचार ही नहीं, विचार भी

एशियन गेम्स के पहले दिन भारत की ‘चांदी’

एजेसी ►► नागोया

भारत ने 20वें एशियन गेम्स के पहले दिन 2 सिल्वर मेडल जीत लिए हैं। दोनों मेडल 10 मीटर राइफल शूटिंग में आए। इलावेनिल वलारिवन के शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को यहां एशियाई खेलों में अपने पदकों का खाता निशानेबाजी में दो रजत के साथ खोला जबकि ‘मिक्सड मार्शल आर्ट्स’ में अप्रत्याशित रूप से पदक पक्का किया। रविवार को एलावेनिल वलारिवन ने 10 मीटर ►►शेष पेज 4 पर



रजत पदक के साथ विदर्सा कोवलुमकल, सोनम मस्कर, एलावेनिल वलारिवन (बाएं से दाएं)

शूटिंग क्वीन एलावेनिल

एलावेनिल वलारिवन भारत की बेहतरीन राइफल शूटरों में से एक हैं और 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में एक जाना-माना नाम हैं। ►►शेष पेज 4 पर

सोनम बोलीं- यह पदक मां-पापा को समर्पित

रजत पदक जीतने के बाद सोनम मस्कर ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता को दिया। उन्होंने कहा कि उनके बिना वह इस ►►शेष पेज 4 पर

पूर्व नियोजित था झीरम कांड...पहले रेकी, फिर रिहर्सल, 9 दिन की थी तैयारी

नक्सलियों को पता था आएंगे कर्मा और बड़े नेता, तीसरे दिन ही हत्याकांड

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर/जगदलपुर

झीरम घाटी में 25 मई 2013 को हुए हमले की जांच से जुड़े न्यायालयीन दस्तावेजों से साबित होता है कि झीरम कांड पूर्व नियोजित था। अदालत के आदेश में पूर्व आत्मसमर्पित और पूर्व नक्सलियों की गवाहियों के मुताबिक हमले से पहले इलाके की रेकी कराई गई, एक सप्ताह पहले रिहर्सल हुई और अलग-अलग टीमों का गठन कर उन्हें आईडी लगाने तथा मोर्चा संभालने की जिम्मेदारी दी गई। गवाहियों में यह भी बताया गया है कि नक्सलियों ने नौ दिनों तक एम्बुश में रहने की योजना बनाई थी, लेकिन तीसरे दिन ही उन्हें वह काफिला मिल गया जिसका इंतजार किया जा रहा था। नक्सलियों को पता था कि बस्तर के दिग्गज नेता महेंद्र कर्मा वहां से गुजरेंगे। 25 मई को महेंद्र कर्मा के सुकमा से जगदलपुर की ओर आने की खबर मिलने के बाद सुरक्षा बलों और नेताओं के काफिले को निशाना बनाया गया। गवाही के मुताबिक पहले रास्ते में पेड़ गिराकर अवरोध पैदा किया गया और इसके बाद आईडी ब्लास्ट तथा फायरिंग की गई। वारदात के बाद ►►शेष पेज 4 पर

झीरम कांड में अदालत के आदेश में दर्ज गवाहियों से सामने आई हमले की तैयारी

पहले रास्ते में पेड़ गिराकर अवरोध पैदा किया गया और इसके बाद आईडी ब्लास्ट

आईडी ब्लास्ट और फायरिंग, वारदात के बाद जंगल में हथियारों का प्रदर्शन



बिंदु कर्मांक 185, सन्नु पोताम ने कहा-रेकी और रिहर्सल कराई गई
सर्वेक्टर नक्सली सन्नु पोताम की गवाही के आधार पर आदेश के बिंदु कर्मांक 185 में कहा गया है कि नक्सली कमांडर देवा ने झीरम रोड पर हमले की योजना बनाई थी। हमले से पहले देवा सभी डिविजन कमांडरों को साथ लेकर गया था और रास्ते की रेकी करवाई थी। गवाही के मुताबिक हमले से एक सप्ताह पहले रिहर्सल भी करायी गया था। इस रिहर्सल में देवा, विनोद, मासा, अमिल, जगदीश, सोनाधर, श्यामलाल, ►►शेष पेज 4 पर



बिंदु कर्मांक 189-190, हिड़मा ने बताया-हमले में 150 से ज्यादा नक्सली शामिल
अदालत के आदेश में बिंदु कर्मांक 189 एवं 190 में कवाली हिड़मा की गवाही का भी उल्लेख है। गवाह के अनुसार झीरम घाटी हमले में लगभग 150 नक्सली और ►►शेष पेज 4 पर

बिंदु कर्मांक 191, देजाना ने कहा-रास्ता रोकने के लिए कटवाए पेड़
बिंदु कर्मांक 191 में देजाना की गवाही के मुताबिक नक्सलियों ने गागीणों का इस्तेमाल कर रास्ता रोकने के लिए पेड़ कटवाए थे। तोंगपाण की ओर से जेसे ही गाड़ियों का काफिला आया, पेड़ को सड़क पर गिराकर रास्ता ►►शेष पेज 4 पर



खबर संक्षेप

माता वैष्णो देवी हेलीपैड टर्मिनल में आग



जम्मू। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के आधार शिविर कटरा में एक हेलीपैड टर्मिनल रविवार तड़के आग लगने से आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि हेलीपैड टर्मिनल में तड़के करीब सवा तीन बजे संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। कर्मचारियों, सुरक्षाकर्मियों तथा अग्निशमन एवं आपात सेवा कर्मियों के संयुक्त प्रयास से आग पर करीब 30 मिनट में काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि यह टर्मिनल घटना के समय बंद था। यह टर्मिनल माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के आवागमन का एक महत्वपूर्ण केंद्र है।

ट्रेक्टर की ट्रक से टक्कर, 3 की मौत

मंदसौर। मप्र के मंदसौर जिले में एक ट्रक ने मजदूरों को ले जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी, जिससे दो बच्चों और एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई तथा 13 अन्य लोग घायल हो गए। हादसा मंदसौर से करीब 24 किलोमीटर दूर दलोदा थाना क्षेत्र में लखमा खेड़ी चौराहे के पास महु-नीचम राजमार्ग पर शनिवार रात करीब एक बजे हुआ। ट्रैक्टर-ट्रॉली में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों समेत 20 लोग सवार थे। वे रतलाम जिले के रावती के निवासी थे और रेलवे की एक परियोजना के लिए काम कर रहे थे। पिपलियामंडी में काम पूरा करने के बाद मजदूर मंदसौर के लालघाटी में रुके थे और वहां से अपने गांव लौट रहे थे तभी ट्रक ने उनकी ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी।

वाघ बकरी टी गुप के चेयरमैन का निधन

अहमदाबाद। वाघ बकरी टी गुप के चेयरमैन पीयूषभाई देसाई का 15 सितंबर को निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। चाय कारोबार को गांधीवादी मूल्यों, परोपकार और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने वाले देसाई के निधन की जानकारी वाघ बकरी टी गुप ने एक बयान में दी। गुप की ओर से जारी शोक संदेश के अनुसार, देसाई छह दशक से अधिक समय से चाय कारोबार से जुड़े थे और उन्होंने वाघ बकरी को गुजरात से बाहर कई राज्यों में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गुप ने कहा कि देसाई को चाय की गहरी समझ थी। गुजरात विद्यापीठ के पूर्व कुलपति सुदर्शन अयंगर ने उन्हें ऐसे उद्यमों के रूप में याद किया, जिनके जीवन में महात्मा गांधी के आदर्शों की झलक मिलती थी।

एजेसी ►► मुंबई

मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार सुबह एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार के अनियंत्रित होकर निर्माणाधीन पार्किंग स्थल में कई फुट नीचे जा गिरने से एक नाबालिग समेत तीन युवकों की मौत हो गई और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि यह घटना सुबह 5.20 बजे हुई जब कार मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर तेज रफ्तार से जा रही थी। दुर्घटना के बाद बुरी तरह क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया।



10.58 किमी लंबा हाई-स्पीड फ्रीवे

अभी यह पता नहीं चल पाया है कि गाड़ी कौन चला रहा था, क्योंकि हादसे में बचे व्यक्ति का बयान अभी दर्ज किया जाना बाकी है। मुंबई कोस्टल रोड 10.58 किलोमीटर लंबा हाई-स्पीड फ्रीवे है, जो मरीन ड्राइव को बांद्रा-वर्ली सी लिंक के वर्ली वाले छोर से जोड़ता है। इससे पहले, 15 जुलाई को कोस्टल रोड सुरंग के अंदर एक कार में आग लग गई थी। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं थी।

कांग्रेस अनुशासन समिति ने 20 नेताओं का निष्कासन रद्द किया



हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा अनुशासन समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों के निष्कासित कांग्रेसियों का निष्कासन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैंगू 5 आदेश जारी करते हुए कांग्रेस के 20 नेताओं का निष्कासन रद्द किया। अनुशासन समिति को 36 नेताओं ने निष्कासन रद्द करने के लिए आवेदन दिया था। जिन लोगों का निष्कासन रद्द किया गया, उनमें रायपुर जिले से आनंद कुकरेजा, पूरन पाण्डेय, विशाल राजानी के नाम प्रमुख हैं। ►►शेष पेज 4 पर

जन्म-मृत्यु का रजिस्ट्रेशन कराने में हुई देरी तो बड़ेगी मुश्किल

एजेसी ►► नई दिल्ली

जन्म और मृत्यु के रजिस्ट्रेशन से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) अधिनियम, 2026 के प्रावधान 1 अक्टूबर 2026 से लागू हो जाएंगे। नए कानून में जन्म या मृत्यु का रजिस्ट्रेशन कराने में देरी होने पर प्रक्रिया को पहले के मुकाबले ज्यादा सख्त किया गया है। खास तौर पर 2 साल से ज्यादा देर से किए जाने वाले रजिस्ट्रेशन के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश की जरूरत होगी। भारत के रजिस्ट्रार जनरल मृत्युंजय कुमार नारायण ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने गजट अधिसूचना जारी कर बताया कि केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर 2026 को उस तारीख के रूप में तय किया है, जिस दिन अधिनियम के प्रावधान लागू होंगे।

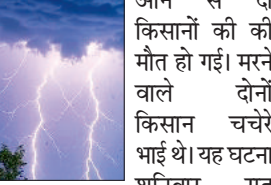


दो साल से ज्यादा देरी पर मजिस्ट्रेट का आदेश जरूरी

अब अगर जन्म या मृत्यु की घटना के दो साल से ज्यादा समय बाद रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया जाता है, तो इसके लिए प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट का आदेश जरूरी होगा। यानी 2 साल से ज्यादा पुरानी घटना का रजिस्ट्रेशन अब सिर्फ सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया के जरिए नहीं हो सकेगा। इसमें न्यायिक स्तर पर जांच और मंजूरी जरूरी होगी।

आकाशीय बिजली गिरने से दो भाइयों की मौत

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो किसानों की मौत हो गई। मरने वाले दोनों किसान चचेरे भाई थे। यह घटना शनिवार रात मोहपा थाना क्षेत्र के तिथी खुर्द गांव में हुई। पुलिस ने बताया कि दोनों मवेशियों को चराने के लिए खेत गए थे। जब वे घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की और गांव के एक मंदिर में दोनों के शव मिले। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान तिवरुज राजेराम कनफड़े (64) और लक्ष्मण घनश्याम कनफड़े (55) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि बारिश के कारण दोनों ने मंदिर में शरण ली थी।



‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम में बुजुर्ग महिला के अपमान का आरोप

पीएम मोदी की मिमिक्री पर घिरे राहुल, भड़की भाजपा

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम में पीएम मोदी की मिमिक्री की गई थी। इस दौरान कुछ ऐसा हुआ, जिसे लेकर अब राहुल गांधी निशाने पर हैं। भाजपा ने पीएम मोदी की मिमिक्री किए जाने के दौरान एक बुजुर्ग महिला का अपमान किए जाने का आरोप लगाया है। राहुल गांधी के मंच पर एक मिमिक्री आर्टिस्ट पुलकित मनी पहुंचे थे। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की मिमिक्री की थी और उनकी एक कुर्सी मांगे जाने का मजाक उड़ाया था। अब इसे लेकर भाजपा

हमलावर है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवान ने इसे बुजुर्ग मां का अपमान करार दिया। उन्होंने लिखा, एक तरफ सम्मान और अपमान, दूसरी तरफ बुजुर्ग मां का मजाक। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी का कहना है कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता नहीं हैं बल्कि ट्रोलर्स के नेता हैं। यही नहीं, राहुल गांधी के आयोजन का ही वीडियो ट्वीट करते हुए शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के मंच पर पीएम मोदी की दिवंगत मां का अपमान हुआ है। उनके अलावा मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने भी राहुल गांधी ►►शेष पेज 4 पर



रिजिजू बोले- कांग्रेस जोर्कर्स की पार्टी

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी कॉमिडियंस और जोर्कर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैं रेस्ट इन पीस।



वया है मिमिक्री विवाद

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ, जब हंदाईर के कार्यक्रम में मंच पर मौजूद मिमिक्री आर्टिस्ट पुलकित मनी ने पीएम मोदी को एक रैली का मजाक उड़ाया, जिसमें पीएम ने एक बुजुर्ग महिला को बैठने के लिए कुर्सी देने को कहा था। भाजपा नेता सीआर केसवन और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इसे बुजुर्ग नारी शक्ति और प्रधानमंत्री की दिवंगत मां का घोर अपमान बताया। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने मंच पर ठहारे लगाकर अवैदव्यवस्था दिखाई और नेता प्रतिपक्ष के पद की गरिमा को गिराया है।

जोशी ने राहुल और कांग्रेस पर साधा निशाना

शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा- राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। छात्र विवाद का इस्तेमाल पीएम मोदी की दिवंगत मां का मजाक उड़ाने और उनका अपमान करने के लिए करना बुनियादी मानवीय संवेदना और राजनीतिक संस्कृति की चौकाने वाली कमी दिखाता है।





एजेंसी ►► मेरठ

भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम ने रविवार को मेरठ के आसमान में इतिहास रच दिया। टीम के नौ विमानों ने रोमांचक करतब दिखाए। एयर शो के दूसरे दिन देश के रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ पहुंचे तो स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उन्होंने वायु सैनिकों के शौर्य की सराहना की। भाजपा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी के प्रयास से मेरठ में दो दिन का भारतीय वायु सेना के सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम ने एयर शो किया। रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण सभी वर्गों के लोग एयर शो देखने आए। ठीक 10 बजकर 26 मिनट पर नौ विमानों ने मेरठ के आसमान में करतब दिखाने शुरू किए। कभी तिरंगे की आकृति बनाई तो कभी दिल की आकृति बनाकर लोगों का दिल जीत लिया।

लड़ाकू विमानों ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

एयरफोर्स में लड़ाकू विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। 9 हॉक एमके -132 विमानों की गडगड़ाहट से आसमान गूंज उठा। जमीन से महज 200 फीट की ऊंचाई पर विमानों ने धुएँ से लकीरें खींचकर तिरंगा बनाया। लड़ाकू विमान एक-दूसरे से 5 मीटर से भी कम दूरी पर एक साथ उड़े। हवा में कभी सीधे तो कभी पलटियाँ खाते हुए नाँचे आए।

6 लोगों को हिरासत में लेने पर मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

एजेंसी ►► इफाल

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षा बलों द्वारा छह ग्रामीणों को हिरासत में लिए जाने के विरोध में कुकी समुदाय के लोगों ने हिंसक प्रदर्शन किया। उग्र प्रदर्शन शनिवार रात करीब 10 बजे शुरू हुआ और आधी रात तक मोटबुंग और उसके आसपास के इलाकों में चलता रहा।

प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाकर रास्ता रोका और सरकारी वाहनों पर जमकर पथराव किया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि सुरक्षा बलों ने बिना कोई कारण बताए खोलेन गांव के छह ग्रामीणों को हिरासत में लिया है। खोलेन गांव नागा बहुल चवांगकिनिंग गांव के पास स्थित है, जहां हाल ही में हाथियारबंद बदमाशों ने हमला किया था।

■ कुकी समुदाय के लोगों की सुरक्षा बलों से मुठभेड़

पुलिस को रोकने सड़क को खोदा भीड़ को तिर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के कई गोले दागे। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों की गाड़ियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए मारी निर्माण मशीनों का हस्तेमाल किया और मोटबुंग में खेनल हाइवे-2 (इस्फाल से दीमापुर) के कुछ हिस्सों को खोद दिया। विरोध प्रदर्शन में घायल हुए ग्रामीण इस विरोध प्रदर्शन और हंगामे के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी घायल भी हो गए, जिन्हें इलाज के लिए पास के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।



मेरठ में एयरशो में **‘सूर्यकिरण एयरोबैटिक टीम’** ने दिखाई विमानों की कलाबाजी

लड़ाकू विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए, आसमान में बनाया तिरंगा

लोगों ने लगाए जय हिंद के नारे

एयर शो वायुसेना की सूर्य किरण एयरोबैटिक टीम के धुरंधर पायलटों ने किया। दो दिन चलने वाला एयर शो शनिवार सुबह 10:30 बजे न्यू इंडीपेंडेंट टाउनशिप में शुरू हुआ। 9 लड़ाकू विमानों ने गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस से उड़ान भरी। करीब 30 मिनट तक हजारों लोग गर्दन ऊपर करके विमानों के स्टंट देखते रहे। तालियां और सीटियां बजाते रहे। जैसे विमान उनके ऊपर आकाश में पहुंचता लोग अपनी जगह पर उछल पड़ते। भारत माता की जय और जय हिंद के नारे लगाते।

सूर्यकिरण में मेरठ के ही तीन पायलट

खास बात यह है कि सूर्यकिरण टीम में मेरठ के तीन पायलट हैं। इनमें से स्वचाइन लीडर अमन गोयल और स्वचाइन लीडर राहुल सिंह ने विमान उड़ाया, जबकि स्वचाइन लीडर शरद गोयल ने जमीन (बाउंड) से शो का मैनेजमेंट संभाला। एयर शो देखने के लिए 10 से अधिक स्कूलों के छात्र, एनसीसी और एनएसएस के डेटूट्स समेत करीब 10 हजार लोग मौजूद रहे।

सूर्यकिरण में मेरठ के ही तीन पायलट

खास बात यह है कि सूर्यकिरण टीम में मेरठ के तीन पायलट हैं। इनमें से स्वचाइन लीडर अमन गोयल और स्वचाइन लीडर राहुल सिंह ने विमान उड़ाया, जबकि स्वचाइन लीडर शरद गोयल ने जमीन (बाउंड) से शो का मैनेजमेंट संभाला। एयर शो देखने के लिए 10 से अधिक स्कूलों के छात्र, एनसीसी और एनएसएस के डेटूट्स समेत करीब 10 हजार लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रपति आज से तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 21 से 23 सितंबर तक गुजरात के दौरे पर रहेंगी। कार्यालय से जारी बयान

में कहा गया है कि वह 22 सितंबर को केवड़िया के एकता नगर में 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

समारोह की अध्यक्षता करेंगी। राष्ट्रपति 23 सितंबर को वडोदरा स्थित महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के 75वें सालाना दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।उसी दिन, वह ब्रह्माकुमारीज के अभियान ‘विश्व नव निर्माण हेतु आध्यात्मिक जागरण’ की शुरुआत करेंगी। इसके बाद वडोदरा में ‘ग्लोबल स्फिरिचुअल पैलेस रिट्रीट सेंटर’ का उद्घाटन करेंगी।

केरलम मिट्टी धंसने से दो की मौत, एक घायल

इडुक्की। केरलम के इडुक्की जिले के कोट्टाकम्बूर में रविवार को मिट्टी धंसने के कारण एक झोपड़ी गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई। दमकल अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान वट्टावडा के पास कोट्टाकम्बूर निवासी बालकृष्णन और उनकी बहन चिन्नू के रूप में हुई है। बालकृष्णन की पत्नी मरियम्मा भी इस घटना में घायल हो गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बालकृष्णन और उनका परिवार खेतों तेज बारिश के कारण खेत के पास बनी एक झोपड़ी में शरण लिए थे तथा भूस्खलन हो गया।

पाकिस्तान में बवाल

इमरान खान की बहन अलीमा लाहौर में गिरफ्तार, भेजा जेल

एजेंसी ►► लाहौर

पाकिस्तान में 27 सितंबर को होने वाले बड़े विरोध प्रदर्शन से पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान को लाहौर पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। पीटीआई ने इस गिरफ्तारी की निंदा की है और देश में राजनीतिक टकराव और ज्यादा बढ़ने की चेतावनी दी है। इधर, रावलपिंडी की अडियालरा जेल में बंद इमरान की सेहत बिगड़ने पर डॉक्टरों की विशेष जेल पहुंची है।



ऐसे हुई अलीमा की गिरफ्तारी
पीटीआई के अनुसार, अलीमा को लाहौर पुलिस ने एक जमात खान के बाहर से हिरासत में लिया। पीटीआई के आगामी 27 सितंबर के इस्लामाबाद मार्च और धरने को देखते हुए अलीमा को लोक व्यवस्था रखरखाव कानून की धारा 3 के तहत हिरासत में लेकर कोर्ट लखपत जेल स्थानांतरित कर दिया गया है। पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर मोहम्मद अली खान ने कहा कि अलीमा को हिरासत में रखना टकराव की आग में घी डालने का काम करेगा।पीटीआई अध्यक्ष ने कहा कि अलीमा की यह गिरफ्तारी पीटीआई के खिलाफ सरकार द्वारा चलाए जा रहे एक बड़े अभियान का हिस्सा है। 27 सितंबर के इस्लामाबाद धरने को रोकने अब तक पीटीआई के 50 से अधिक कार्यकर्ताओं और नेताओं को हिरासत में लिया जा चुका है।

इमरान को देखने जेल पहुंची डॉक्टरों की टीम

इधर, अडियालरा जेल में इमरान की तबीयत खिगड़ने पर शिफा इंटरनेशनल और पिक्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों का एक विशेष दल उनकी जांच के लिए जेल पहुंचा। इमरान की कानूनी टीम और परिवार का आरोप है कि जेल प्रशासन का लापरवाही के कारण पूर्व प्रधानमंत्री सेंट्रल रेंटनल वेन अवलूजन का शिकार हो गए हैं, जिससे उनकी दाहिनी आंख की लगभग 85 प्रतिशत रोगेनी चली गई है। हालांकि, सरकार इन दावों का खंडन करती है।

रूस में संसदीय चुनावों के अंतिम दिन हुआ अटक

रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष ने एक नया और भीषण मोड़ ले लिया है, जब यूक्रेनी सेना ने रूसी राजधानी मॉस्को को निशाना बनाते हुए अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया और प्राप्त जानकारी के अनुसार, यूक्रेन ने रात भर में रूस पर 1000 से अधिक ड्रोन दागे हैं। यह हमला उस समय किया गया जब रूस में संसदीय चुनावों का तीसरा और आखिरी दिन चल रहा था।

एजेंसी ►► मॉस्को

मॉस्को के मेयर ने इस हमले की गंभीरता को देखते हुए इसे रूसी राजधानी पर अब तक का सबसे बड़ा हमला करार दिया है। इन हमलों ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दी है, बल्कि मॉस्को के भीतर स्थित महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को भी नुकसान पहुंचाया है। हालांकि इस बड़े हमले को लेकर यूक्रेन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक या तुरंत बयान सामने नहीं आया है, लेकिन हमले की व्यापकता ने रूसी रक्षा तंत्र को हिलाकर रख दिया है।
तेल रिफाइनरी और आवासीय क्षेत्रों में तबाही : यूक्रेन की ओर से किए गए इस व्यापक हमले में मॉस्को की एक प्रमुख तेल रिफाइनरी तथा एक रेंजिडेंशियल बिल्डिंग यानी आवासीय इमारत को भी क्षति पहुंची है। स्थानीय गवर्नर आंद्रे बोरोब्योव के मुताबिक, इस भीषण हमले में फिलहाल दो लोगों की मौत हो गई है और 20 लोग घायल हुए हैं। जान गंवाने वालों में एक 74 साल का बुजुर्ग पुरुष और एक 44 साल की महिला शामिल है। घायलों को तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई है।

एक तेल रिफाइनरी और आवासीय इमारत को पहुंचा नुकसान

पहली बार बड़े हमले से लोगों में दहशत

मॉस्को के मेयर ने स्पष्ट किया कि इन हमलों का उद्देश्य रणनीतिक ठिकानों के साथ-साथ शहरी इलाकों में भी प्रभाव डालना था और आसमान से बरसती इस तबाही ने स्थानीय निवासियों के बीच दहशत का माहौल पैदा कर दिया है, क्योंकि यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में ड्रोन एक साथ राजधानी की सुरक्षा दीवार को भेदन की कोशिश कर रहे थे।



देश का पहला युद्धकालीन चुनाव

रूस में हाल ही में संपन्न हुए संसदीय चुनाव कई मायनों में अलग रहे। ये चुनाव पूरी तरह से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनकी सरकार यानी क्रेमलिन के कड़े नियंत्रण में आयोजित किए गए थे और चुनाव प्रक्रिया के दौरान पुतिन की नीतियों का विरोध करने वाला कोई भी प्रमुख चेहरा मैदान में नहीं था। चूंकि यह पूरी चुनौती प्रक्रिया यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के साये में संपन्न हुई, इसलिए इसे रूस का पहला युद्धकालीन चुनाव कहा जा रहा है।

यूक्रेन की ड्रोन तकनीक और रणनीतिक उद्देश्य

रूस द्वारा किए गए हमले के चार साल से भी ज्यादा समय बीत जाने के बाद, यूक्रेन अब मिलिट्री ड्रोन टेक्नोलॉजी के मामले में दुनिया का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। यूक्रेन अब रूस के काफी अंदर तक हमला करने के लिए मिसाइलों के साथ-साथ अपने देश में विकसित किए गए लंबी दूरी के ड्रोन का सफलतापूर्वक उपयोग कर रहा है। यूक्रेन की इस उन्नत ड्रोन तकनीक ने दुनिया भर की सरकारों और रक्षा विशेषज्ञों को हैरान किया है।
यूक्रेन का उद्देश्य शांति समझौते के लिए दबाव बनाना
कींव का मुख्य उद्देश्य इन हमलों के जरिए रूसी जनता को युद्ध के वास्तविक परिणामों का एहसास कराना है। साथ ही, यूक्रेन का लक्ष्य रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर शांति समझौते के लिए दबाव बनाना है, हालांकि पुतिन ने अब तक युद्ध रोकने का कोई संकेत नहीं दिया है।

मुंबई में 50 हजार से ज्यादा प्रतिमाएं विसर्जित...



मुंबई। गणेश उत्सव के छठे दिन रविवार रात 9 बजे तक मुंबई में 50 हजार से अधिक मूर्तियों का विसर्जन हो चुका है। गणेशोत्सव के छठे दिन शहर में 21,104 गणेश और हरतालिका (पार्वती) मूर्तियों का विसर्जन किया गया। विसर्जित मूर्तियों में 18,308 घरेलू गणेश, 2,734 देवी गौरी और 62 सार्वजनिक गणेश मंडलों की थीं। परंपरा के अनुसार, मूर्तियों का विसर्जन विभिन्न दिनों और अनंत चतुर्दशी को होता है। पांचवें दिन (शुक्रवार से शनिवार सुबह 6 बजे तक) कुल 37,843 मूर्तियों का विसर्जन हुआ। इसमें 35,843 घरेलू और 1,030 सामुदायिक गणपति मूर्तियां शामिल थीं। 129 हरतालिका मूर्तियां भी विसर्जित हुईं। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने नागरिक अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं हुई।

एएसआई की हत्या का आरोपी 24 घंटे में ढेर, आतंकी संबंधों की जांच जारी

एजेंसी ►► अमृतसर

पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस के सहायक उप निरीक्षक हरजीत सिंह की हत्या के मुख्य आरोपी दीपक सिंह को एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। शनिवार की रात को हुई घटना के बाद पुलिस

प्रशासन मुस्तैद है। मारे गए आरोपी का संबंध पाकिस्तान में बैठे एक आतंकवादी से होने का संदेह है, जिसकी जांच सुरक्षा एजेंसियां कर रही हैं। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने एक .30 बोर की पिस्तौल, 2 मैगजीन, 8 जिंदा कारतूस, एक मोबाइल फोन और अपराध में इस्तेमाल की गई हॉंडा एक्टिवा स्कूटी बरामद

की है। पुलिस जांच में इस हत्याकांड के पीछे सीमा पार के आतंकवादियों का हाथ होने की बात सामने आई है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि पाकिस्तान में बैठे एक आतंकवादी ने पुलिस अधिकारियों पर इस तरह का हमला करने के लिए स्थानीय अपराधियों को पैसों का लालच दिया था।

मार गया आरोपी मुल्लूच गांव का दीपक
पंजाब पुलिस ने बताया कि मारा गया आरोपी अमृतसर के मुल्लूच गांव निवासी दीपक सिंह हैं। शनिवार रात 9-45 बजे पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान स्कूटी सवार 2 संदिग्धों को रोकने का इशारा किया। आरोपियों ने खुद को घिरता देख पुलिस पर 4 राउंड गोलियां चला दीं। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दीपक को गोलियां लगीं।

Divisa

Dr. Anand's

डा.ऑर्थो

तेल

पेश है डा. ऑर्थो का बड़ा पैक, बड़ी बचत के लिए.

आज ही ले आइये ₹ ~~649/-~~ **₹ 435/-** अब सिर्फ

SUPER SAVER PACK

33% DISCOUNT ON MRP

ASIA'S MOST PROMISING BRAND

Dr. Ortho Oil

An Ayurvedic Medicine

Helpful in Painful Conditions

Net Qty: 200ml

200ml

Helpful in painful conditions

Dr. Ortho Oil

An Ayurvedic Proprietary Medicine

SUPER SAVER PACK

33% DISCOUNT ON MRP

Net Qty: 200ml

एएसआरथी (एसी कसे सहित)

24x7 Helpline: 78769 77777 | www.drorthoil.com | Available at all medical & general stores.

एशियाई खेल : भारत की बांग्लादेश पर 114 रन की बड़ी जीत

फाइनल में भारत, शेफाली का तूफानी शतक



बांग्लादेश 81 रन पर डेर
शेफाली का पहला टी20 शतक

मार्शल आर्ट : सुचिका ने किया पहला पदक पक्का

नागोया। सुचिका तारियाल ने महिला पारंपरिक मिश्रित मार्शल आर्ट (एमएमए) के 60 किलोग्राम वर्ग में मंगोलिया की अल्ताचिमेग बैगलमा को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और इस तरह से आइची-नागोया एशियाई खेलों में भारत का पहला पदक पक्का किया। यह 36 वर्षीय खिलाड़ी अब सोमवार को सेमीफाइनल में उतरेगी। इस प्रतियोगिता में सेमीफाइनल में पहुंचने पर पदक पक्का हो जाता है क्योंकि अंतिम चार में हारने वाली दोनों खिलाड़ियों को कांस्य पदक मिलता है।



खबर संक्षेप

वापसी पर ध्यान केंद्रित
अहम : चोपड़ा

नई दिल्ली। स्टार बाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने एशियाई खेलों से बाहर होने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया, लेकिन कहा कि इस झटके को 'स्वीकार करना' और जल्द वापसी पर ध्यान केंद्रित करना अहम है। चोपड़ा ने कहा, 'यह निश्चित रूप से मुश्किल है। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह आसान है। मेरे लिए यह थोड़ा सामान्य हो गया है क्योंकि मेरे करियर में ऐसा कई बार हुआ है। कई बार ऐसा हुआ जब मैं पूरी तरह तैयार था और अचानक चोट लग गई। 'चोपड़ा ने कहा कि इस बार की चोट इसलिए ज्यादा निराशाजनक थी क्योंकि उन्हें लगा था कि वह पहले की परेशानी से उबरकर आखिरकार अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौट आए हैं।

क्रिकेट की लोकप्रियता
जापान में बढ़ाने का अवसर
नई दिल्ली। जापान क्रिकेट संघ (जेसीए) के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) एलन कर को उम्मीद है कि भारत के खिलाफ होने वाला पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला उनके देश में क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा और जापान को वैश्विक क्रिकेट समुदाय में अपनी पहचान मजबूत करने की दिशा में आगे ले जाएगा। मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारत मंगलवार को सानो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैदान पर जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगा। कर ने कहा, खिलाड़ी काफी उत्साहित हैं। हमारे लिए इस तरह का मौका ज्यादा नहीं आता। उन्हें उम्मीद है कि भारत के खिलाफ यह मुकाबला भविष्य में जापान में अन्य शीर्ष क्रिकेट खेलने वाले देशों की मेजबानी का रास्ता खोल सकता है। कर ने कहा, हम इसे अपने भविष्य के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों का हिस्सा मान रहे हैं।



रणजी ट्रॉफी: हैदराबाद की कप्तानी संभालेंगे सिराज

एजेसी ►► नई दिल्ली

आगामी घरेलू सीजन में रणजी ट्रॉफी के लिए हैदराबाद क्रिकेट संघ ने मोहम्मद सिराज को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। सिराज वनडे सीरीज खत्म होने के बाद ही अपनी घरेलू टीम के साथ जुड़ेंगे और उसमें भी वह शुरुआती दो मैचों में ही कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। हैदराबाद क्रिकेट संघ ने बताया कि मोहम्मद सिराज को आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसमें उनके अनुपस्थित होने या उपलब्ध ना होने की स्थिति में उपकप्तान सीवी मिलिंद कप्तानी की जिम्मेदारी को संभालेंगे। इसके अलावा टीम में अनुभवी बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल, राहुल सिंह और



विकेटकीपर राहुल रादेश और साई प्रज्ञय रेड्डी को भी शामिल किया गया है। 15 सदस्यीय टीम में चुने गए अन्य खिलाड़ियों में तनाय त्यागराजन, अनिकेत रेड्डी और अजय देव गौड़ भी शामिल हैं।

4,788 रन के साथ महिला टी20 में शीर्ष पर स्मृति

एजेसी ►► निशिन

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना बांग्लादेश के खिलाफ एशियाई खेलों के सेमीफाइनल के दौरान न्यूजीलैंड की दिग्गज सूजी बेट्स को पछाड़कर महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गईं। उनके नाम अब 4,788 रन हैं। सूजी बेट्स 4,758 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर 4,287 रन के साथ तीसरे और श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू 4,282 रन के साथ चौथे स्थान पर हैं।



■ भारत दौरे के लिए वेस्टइंडीज स्कवॉड का ऐलान

एजेसी ►► नई दिल्ली

वेस्ट इंडीज की टीम तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर आएगी। भारत और वेस्ट इंडीज के बीच 27 सितंबर से 17 अक्टूबर के बीच कुल 8 मैच खेले जाएंगे। वेस्ट इंडीज ने भारत दौरे के लिए अपनी टीम वनडे और टी20 टीम का ऐलान कर दिया है। वनडे सीरीज के लिए अनुभवी ओपनर जॉन कैपबेल को टीम में वापस बुलाया है, जबकि

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे खेलेंगे सिराज

सिराज वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारत की टीम का हिस्सा है, जो 3 अक्टूबर को त्रिपुरा के खिलाफ है, जिसके लिए केन्यू वंडीनद में खत्म होगी। वहीं हैदराबाद का पहला रणजी ट्रॉफी मैच 11 अक्टूबर को त्रिपुरा के खिलाफ है, जिसके लिए केन्यू वंडीनद में खत्म होगा। इसके बाद हैदराबाद को 18 अक्टूबर से विजयनगरम में आंध्र के खिलाफ अपना दूसरा रणजी मैच इस सीजन खेलना है।

पूरन को पहली बार मिली टी20 टीम में जगह, कैपबेल की वापसी



कामिल पूरन को पहली बार टी20 टीम में जगह मिली है।

इंडिया ए टीम के हेड कोच बने बालाजी

नई दिल्ली। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व तेज गेंदबाज लक्ष्मीपति बालाजी को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए इंडिया ए टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। यह सीरीज पुडुचेरी में खेली जानी है। आईपीएल में कोचिंग का लंबा अनुभव है, जहां वे पहले सीएसके और तमिलनाडु की टीमों के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। लक्ष्मीपति बालाजी का इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट में करियर शानदार रहा है। उन्होंने भारत के लिए 8 टेस्ट, 30 वनडे और 5 टी20 मुकाबले खेले हैं, जिसमें उन्होंने अपनी सटीक लाइन-लेंथ और स्विंग से कई अहम सफलताएं हासिल कीं।



अट्टापट्टू ने खेली कप्तानी पारी श्रीलंका ने पाकिस्तान को 8 विकेट से दी करारी शिकस्त

एजेसी ►► निशिन

कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए एशियन गेम्स के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। श्रीलंकी कप्तान चमारी अट्टापट्टू जीत की हीरो रहीं।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 177 रन बनाए थे। पाकिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज शावाल जुल्फिकार ने 50 गेंदों पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 54 रन की पारी खेली। चौथे



नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी आयशा जफर ने तूफानी अर्धशतक लगाया। आयशा 40 गेंदों पर 2 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 71 रन बनाकर रन आउट हुईं।

श्रीलंका ने 2 विकेट खोकर हासिल किया लक्ष्य

श्रीलंका ने 178 रन का लक्ष्य 17.5 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया और 8 विकेट से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बनाई। श्रीलंका को इमेशा दुलानी और कप्तान चमारी अट्टापट्टू ने मजबूत शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 4.4 ओवर में 36 रन जोड़े। दुलानी 21 गेंदों पर 27 रन बनाकर आउट हुईं। चमारी ने दूसरे विकेट के लिए हसीनी परेरा के साथ 95 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने ही पाकिस्तान की जीत की मंजूरी पर पारी फेर दी। 131 के स्कोर पर परेरा 42 रन बनाकर आउट हुईं। 26 गेंदों की पारी में परेरा ने 3 चौके और 3 छक्के लगाए।

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA			
e-Procurement Tender Notice			
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in			
NIT No: 379486, 367996, 379429/2026 Korba, Date 15.09.2026			
Sr No	System Tender No.	Name of Work/ Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	199466 (1st Call)	Construction of CC Road from Balhi Ramayan Kewat Ghar to Government Middle School Balgikhar under Ward no. 67 (DMF)	16.94
2	199467 (1st Call)	Construction of RCC drain and cement concrete Road at sarai para basti kohdiya ward no 18 & Various Places (DMF)	25.42
3	199468 (1st Call)	Ward no. 49 Rajiv Nagar Cc road Construction work from Naseem kha'n's house to Ramesh Rathore's house and near Satnam Chowk (DMF)	12.71

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh <http://eproc.cgstate.gov.in> from 15.09.2026 at 15:00 Hours (IST) onwards.

**Executive Engineer
Municipal Corporation
Korba (C.G.)**

टेकबॉल : पदक से चूकी विवन्सी

नागोया। विवन्सी डिस्जूजा को एशियाई खेलों की टेकबॉल प्रतियोगिता में दोहरा झटका लगा जब वह महिला एकल में कांस्य पदक से चूक गईं और कुछ ही मिनटों बाद मोहम्मद अनस बेग के साथ मिश्रित युगल में तीसरे स्थान के मुकाबले में भी हार गईं।



विवन्सी ने महिला एकल के कांस्य पदक के मैच में कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में वह स्थानीय खिलाड़ी युइना सकामोटो से 0-2 (11-12 11-12) से हार गईं। इसके बाद मिश्रित युगल मुकाबले में भारतीय जोड़ी को वियतनाम के होआंग मिन्ह टैन गुयेन और जिया ग्निह ट्रिन्ह से 0-2 (9-12 6-12) से हार का सामना करना पड़ा।

महिला बैडमिंटन : भारत क्वार्टर फाइनल में, कजाखस्तान को हराया

नागोया। भारत ने बैडमिंटन के महिला टीम स्पर्धा में कमजोर रैंकिंग वाले कजाखस्तान को 3-0 से हराकर रविवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली, जहां उसके सामने मेजबान जापान की कड़ी चुनौती होगी।



इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्मेजियम में भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु, उन्नति हुड्डा और तन्वी शर्मा ने बिना कोई गेम गंवाए मुकाबला अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में 11वें स्थान पर काबिज सिंधु ने पहले मुकाबले में कमिला स्मादुलुवा को महज 24 मिनट में 21-7, 21-9 से शिकस्त दी। कजाखस्तान की कमिला की विश्व रैंकिंग 426 है। इसके बाद विश्व की 24वें नंबर की खिलाड़ी उन्नति ने अलिस्सा कुलेशेवा (विश्व रैंकिंग 866) को 22 मिनट में 21-7, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर मौजूद तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा (विश्व रैंकिंग 1067) को 21-5, 21-10 से हराकर भारत की जीत पर मुहर लगा दी। भारत को अब मेजबान जापान के खिलाफ भारत को कहीं कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा।

टेबल टेनिस : भारत ने सिंगापुर को दी मात

टोयोटा। भारतीय महिला टीम ने टेबल टेनिस प्रतियोगिता के ग्रुप एफ के अपने दूसरे मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए सिंगापुर को 3-2 से हराया जबकि पुरुष टीम को ग्रुप एफ के अपने दूसरे मुकाबले में ईरान के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय महिला टीम एक समय 1-2 से पिछड़ रहा था, लेकिन श्रीजा अंकुला और यशस्विनी घोरपड़े ने अहम मैच जीतकर टीम को यादगार जीत दिलाई। भारत की ओर से मुकाबले की शुरुआत यशस्विनी ने की। उन्होंने जियान जेग को 11-7, 11-3, 8-11, 11-9 से हराकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। दीया चिताले भी तान झाओ से 7-11, 4-11, 11-7, 5-11 से हार गईं और सिंगापुर ने 2-1 की बढ़त बना ली। भारत के लिए चौथा मैच करे या मरो का था। श्रीजा ने पहले मैच की हार से उबरते हुए जियान जेग को 6-11, 11-3, 11-7, 11-4 से शिकस्त दी और मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया।



शतरंज ओलंपियाड: महिला टीम को पोलैंड से मिली हार

प्रज्ञानानंदा और गुकेश की जीत से नीदरलैंड पस्त

एजेसी ►► समरकंद

भारतीय पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 46वें शतरंज ओलंपियाड के पांचवें दौर में नीदरलैंड को 3-1 से मात दी जबकि शीर्ष वरीय भारतीय महिला टीम को पोलैंड के हाथों अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। पुरुष वर्ग में शीर्ष बोर्ड पर आर. प्रज्ञानानंदा और चौथे बोर्ड पर विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने जीत दर्ज कर टीम की सफलता में अहम योगदान दिया। प्रज्ञानानंदा ने शुरुआती तीन बाजियां अपेक्षाकृत कम रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ डॉ खेली थीं, लेकिन अहम मुकाबले में उन्होंने बेहतरीन खेल दिखाते हुए शानदार फॉर्म में चल रहे अनीश गिरी को शिकस्त दी।



गुकेश ने 5 बाजियों में दर्ज की चौथी जीत

गुकेश ने एर्विन ला आमी को हराकर पांच बाजियों में अपनी चौथी जीत दर्ज की। दूसरे बोर्ड पर अर्जुन एरिगेंसी और जोरेडेन वान फॉरेस्ट के बीच मुकाबला बराबरी पर खूटा। तीसरे बोर्ड पर निहाल सरीन को लूक वान वेले के खिलाफ ज्यादा परेशानी नहीं हुई और उनकी बाजी भी झुं रही। लगातार पांचवी जीत के साथ भारतीय पुरुष टीम ने ओलंपियाड में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतने की अपनी उम्मीदों को मजबूत बनाए रखा है।

दिमाग पर हुई नई रिसर्च ने खोला 50 करोड़ साल पुराना राज जिसे अब तक एक ही अंग मानते थे वो निकला दो हिस्सों का मेल !

एजेंसी ►► न्यूयार्क

क्या आप भी यही सोचते हैं कि हमारा दिमाग एक सिंगल यूनिट की तरह काम करता है? जवाब अगर हां, है तो आप गलत हैं। सालों से मेडिकल साइंस जिस थ्योरी को सच मानता आया था, उसे वैज्ञानिकों ने पूरी तरह पलट दिया है। एक नई और चौकाने वाली रिसर्च में यह यह खुलासा हुआ है कि इंसानी दिमाग कोई एक अकेले एक अंग नहीं, बल्कि दो अलग-अलग हिस्सों से मिलकर बनता है, जिनका विकास 50 करोड़ साल पहले स्वतंत्र रूप से हुआ था। इस ऐतिहासिक खोज के सामने आने के बाद मेडिकल साइंस में बड़ा बदलाव हो सकता है, साथ ही पैदाइशी या गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के इलाज की दिशा में भी एक नई उम्मीद भी जगी है।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स की अगुवाई में हुई एक नई स्टडी के मुताबिक, इंसानी दिमाग एक ही तरह की शुरुआती कोशिकाओं से नहीं बनता, इसके आगे और पीछे के हिस्से दो अलग-अलग सेल सिस्टम से विकसित होते हैं।



लैब में पहली बार बने पश्च मस्तिष्क के न्यूरोन्स

इस नई खोज से वैज्ञानिकों की उस पुरानी उलझन को भी सुलझा लिया है, जो सालों से उन्हें परेशान कर रही थी कि लैब में इंसानी पश्च मस्तिष्क की कोशिकाएं उगाना इतना मुश्किल क्यों था? रिसर्चर्स को पता चला कि वे जिस सेल को आगे के हिस्से का समझकर लैब में तैयार कर रहे थे, वे असल में शुरू से ही पूरी तरह अलग थीं। इस नई जानकारी के बाद, स्टैनफोर्ड की टीम ने स्टेम सेल की सहायता से आखिरकार लैब में काम करने वाले इंसानी हिंडबैन मोटर न्यूरोन्स तैयार कर लिए।

दिमाग के दो अलग रास्ते

इंसानी दिमाग के मुख्य रूप से तीन हिस्से होते हैं अग्रमस्तिष्क, मध्य मस्तिष्क और पश्च मस्तिष्क।

अग्रमस्तिष्क - इसका काम भाषा, तर्क, सोच और चेतना जैसी इंसानी क्षमताओं को संभालना।

पश्च मस्तिष्क - इसका काम सांस लेने, दिल की धड़कन, नाद, भूख और चेहरे की मांसपेशियों जैसी बुनियादी चीजों को कंट्रोल करता है।

अभी तक वैज्ञानिक यह मानते थे कि दिमाग के ये सभी हिस्से शुरुआती दौर में एक ही तरह की कोशिकाओं से बनते हैं। लेकिन, नई स्टडी ने साबित कर दिया है कि भ्रूण के विकास के शुरुआती चरण में ही दिमाग का अगला और पिछला हिस्सा दो अलग-अलग सेल ग्रुप से विकसित होता है। ये दोनों रास्ते बिल्कुल अलग हैं और कभी आपस में नहीं मिलते।

इलाज की जमी नई उम्मीद

यह खोज एएलएस और एसएमए जैसी बीमारियों के रिसर्च में बहुत मददगार साबित हो सकती है, जिनमें बेनस्टेम के न्यूरोन्स धीरे-धीरे काम करना बंद कर देते हैं। वैज्ञानिक सीधे मरीजों से ये कोशिकाएं नहीं ले सकते, लेकिन अब इन्हें लैब में उगाकर बीमारियों के कारणों का पता लगाया जा सकेगा और नए इलाज टेस्ट किए जा सकेंगे। अब वैज्ञानिक यह पता लगाने में जुटे हैं कि क्या नर्वस सिस्टम के बाकी हिस्से और रीढ़ की हड्डी का भी ऐसा ही पुराना इतिहास रहा है। इस खोज को मेडिकल साइंस में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर माना जा रहा है, जिससे भविष्य में न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के इलाज में क्रांतिकारी बदलाव आ सकते हैं।

जापान ने खेतों में बचे धान के कचरे से बनाया ऑर्गेनिक एथेनॉल

टोक्यो। जापान में अब खेतों में छूटे और बेकार समझे जाने वाले धान को फेंका नहीं जा रहा, बल्कि इससे हाई-क्वालिटी ऑर्गेनिक एथेनॉल बनाकर कॉस्मेटिक्स, साबुन और रोजमर्रा के सामान तैयार किए जा रहे हैं। जापान की बायोटेक कंपनी फर्मेनस्टेशन ने इवाते के ओशु इलाके में यह अनोखा सिस्टम तैयार किया है, जहां खाली पड़े खेतों में उगे और अनयूज्ड धान को फर्मेन्टेशन और डिस्टिलेशन तकनीक से रिफाइन करके एथेनॉल में बदला जाता है।

इस पूरे प्रोसेस की सबसे खास बात यह है कि धान से एथेनॉल निकालने के बाद भी कुछ भी बर्बाद नहीं होता। डिस्टिलेशन के बाद बचे हुए गाढ़े हिस्से को राइस मोरोमी कहा जाता है। इसका इस्तेमाल लोकल मुर्गियों और मवेशियों के पौष्टिक चारे के रूप में होता है। फिर इन्हें मवेशियों का गोबर खेतों में जैविक खाद बनकर लौट आता है।

धान (चावल) से बना यह एथेनॉल और मोरोमी अब आपकी अलमारी तक पहुंच चुके हैं। इनका इस्तेमाल रूम स्प्रे, हैंड सैनिटाइजर, फेस वॉश और कई तरह के ऑर्गेनिक स्किनकेयर प्रोडक्ट्स बनाने में धड़ल्ले से हो रहा है।

130 से ज्यादा पक्षियों की आवाजें निकालता है 12 साल का बच्चा

न्यूयार्क। अमेरिका के ओक्लाहोमा में रहने वाला 12 साल का सैमुअल हेंडरसन इन दिनों अपनी एक अनोखी कला की वजह से इंटरनेट पर छाया हुआ है। सैमुअल पक्षियों की ऐसी सटीक आवाजें निकालता है कि इंसान तो क्या, चिड़िया की आवाज पहचानने वाला मोबाइल ऐप भी धोखा खा जाता है। ऑटिज्म से पीड़ित यह बच्चा अब तक 130 से

मैथ्स के डर ने बनाया जीनियस! सबसे कम उम्र का प्रोग्रामर बना 8 साल का बच्चा

एजेंसी ►► मेलबर्न

क्या आपने कभी सोचा है कि जिस उम्र में बच्चे कार्टून देखने या पार्क में खेलने की जिद करते हैं, उस उम्र में कोई बच्चा कोडिंग सीखकर दुनिया का सबसे कम उम्र का प्रोग्रामर बन जाए? जी हां, ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में रहने वाले 8 साल के नोआ विलियम्स ने कुछ ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है। उनकी यह कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है, जहां एक छोटी सी परेशानी ने एक बच्चे को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड तक पहुंचा दिया।



कहानी शुरू होती है जब नोआ सिर्फ 6 साल के थे। बाकी बच्चों की तरह नोआ को भी मैथ्स के लंबे-लंबे कैलकुलेशन और होमवर्क से चिढ़ थी। उन्हें मैथ्स के पैटर्न समझने में दिक्कत होती थी। लेकिन, नोआ ने हार मानने के बजाय एक गजब का जुगाड़ निकाला। उन्होंने सोचा कि क्यों न एक ऐसा प्रोग्राम बनाया जाए जो उनका सारा मैथ्स का होमवर्क झटपट सॉल्व कर दे।

आइब्रो, मूंछ दाड़ी के बालों का प्रत्यारोपण

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर

आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायनोस्टिकस के उपर, कलर्स माल के पास, पंचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.प्र.)

9827143060

Ajay Advt.

7 साल की उम्र में मेंसा आईव्यू टेस्ट में गाड़े झंडे

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, नोआ का दिमाग आम बच्चों से अलग और बेहद तेज है। जब वे महज 7 साल के थे, तब उन्होंने दुनिया की सबसे कठिन मानी जाने वाली आईव्यू सोसाइटी मेंसा का टेस्ट दिया। नोआ ने इस टेस्ट में 99.9 परसेंटाइल स्कोर करके सबको हैरान कर दिया। उनकी इस जीनियस प्रतिभा ने यह साबित कर दिया था कि वह आने वाले समय में टेक वर्ल्ड में बड़ा धमाका करने वाले हैं।

दरद अनेक, उपचार एक! प्रदिक्षा आर्थो ऑयल

घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन, जकड़न, आमवात, संघिवात और मोच में भी लाभदायक **एक बार अवश्य आजमायें!**

Customer Care - 9112637000, 9823286830

LOVED IN
100
COUNTRIES

N160SS

GEAR NEECHE DUNIYA PEECHE

THE FAST AND INTELLIGENT 160

₹1 25 600/- से शुरू

इंटेलिजेंट श्रॉटल

4 राइड मोड्स

ट्रैक्शन कंट्रोल

कॉल टेक

5" TFT कंसोल ग्राूल मैप्स के साथ

सबसे पावरफुल 160 • 18.5 PS

प्रारंभिक ऑफर

पल्सर राइडिंग जैकेट पाएं*

*सीमित अवधि के लिए ऑफर N160 S और SS मॉडल्स पर लागू, नियम और शर्तें लागू।

10 YEAR WARRANTY

BAJAJ SECURE
• AMC • ROAD SIDE ASSISTANCE

72198 21111

pulsar

DEFINITELY DARING

हमिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रिंकिंग सिंघा सहित द्वारा हमिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) - 495001 से मुद्रित एवं हमिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) - 495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमंशु हिंदेदी, स्यानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com

Authorized Dealers for Bajaj Auto Ltd.: **Bilaspur:** Tifra Over bridge TRIPUR BAJAJ 9752133444, 9754033444 • Naya Sarkanda KHANDLWAL BAJAJ 9300998989, 9165555222 • Old Bus Stand TRIPUR BAJAJ 7999848912. • **Mungeli :** KHANDLWAL BAJAJ 9399021705, 07755299124 • **Lormi :** KHANDLWAL BAJAJ 9399021701 • **Ambikapur** LAXMI BAJAJ 9074816511, 9754830536 • **Janjgir** SHREE SALASAR BAJAJ 9179981000 • **Champa** 8319235702 • **Korba** TIRUPATI BAJAJ 6232103042, 7879313041 • **Dipka** TIRUPATI BAJAJ 9302444204, **Jamnipali** TIRUPATI BAJAJ 6232123757 • **Raigarh** JINDAL BAJAJ 9589905646, 7067109202 • **Jashpur** JINDAL BAJAJ 8817775566, **Baikunthpur** KOREA BAJAJ 9752949291.

*नियम और शर्तें लागू, उल्लिखित ESRPs, SD USD सिंगल सीट वेरिएंट के हैं. स्टैंडर्स विशेषज्ञों द्वारा, पेशेवर निगरानी में, नियंत्रित और बंद वातावरण में, आम जनता या सार्वजनिक सड़कों से अलग रहकर किए गए हैं. इन स्टैंडर्स को दोहराने का प्रयास न करें और हमेशा यातायात एवं सुरक्षा नियमों का पालन करें.